राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 164 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, रविवार , 26 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

ख़ास ख़बर

विभिन्न संस्कृतियों के प्रति जागरूकता जरूरी : असम के राज्यपाल

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी ने शनिवार को कहा कि एक दूसरे के प्रति सहिष्णुता पैदा करने और बातचीत के जरिए संघर्षों को सुलझाने के लिए विभिन्न संस्कृतियों के बारे में जागरूकता और शिक्षा जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य प्रारंभिक वर्षों से ही मानसिक दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए विभिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं के बारे में जानकारी प्रदान करना होना चाहिए। संस्कृति, परंपरा और सबसे महत्वपूर्ण धर्म को प्रभावित करने वाले वैचारिक बंधनों को संघर्ष को बढ़ावा देने की अनुमति नहीं दे सकते।

क्रिसमस के समारोह में शामिल हुए पर्यटक

श्रीनगर। कश्मीर में पूरे हर्षोल्लास और धार्मिक परंपरा के साथ शनिवार को क्रिसमस का त्योहार मनाया गया और इस दौरान श्रद्धालुओं ने घाटी के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की। कश्मीर में क्रिसमस के अवसर पर सबसे बड़ा समागम श्रीनगर शहर के केंद्र में मौलाना आजाद रोड स्थित होली फैमिली कैथोलिक चर्च में हुआ जहां पर महिलाओं और बच्चों सहित ईसाई समुदाय के लोग विशेष प्रार्थना के लिए एकत्र हुए।

ओडिशा में चिल्का से पक्षियों के अवशेष बरामद

बेरहामपुर (ओडिशा)। चिल्का वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत एक खेत से पांच अलग-अलग प्रजातियों के 29 पक्षियों के अवशेष बरामद किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शिकारियों ने गिरफ्तारी के डर से तांगी रेंज के भुसंदपुर के पास रातामती में प्रवासी पक्षियों के अवशेषों को फेंक दिया होगा, क्योंकि पुलिस और वन्य विभाग के अधिकारी सुबह क्षेत्र में गश्त करते हैं।

जरा हट के... बग्गा

मुद्रास्फीति को लेकर सरकार पर कटाक्ष

कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार पर साधा निशाना

- सांता क्लॉज की तस्वीर के साथ ट्वीट किया
- सांता सबकी सुनता है, मोदी मन की सुनते हैं

■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को क्रिसमस पर आधारित ट्वीट की एक श्रृंखला के माध्यम से ईंधन की कीमतों और मुद्रास्फीति को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया। पार्टी ने सांता क्लॉज की तस्वीर के साथ ट्वीट किया, क्रिसमस पर हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि ऐसी सरकार हो जो हमारी बात सुने।भगवान का शुक्र है कि सांता हर किसी की इच्छा सुन रहा है क्योंकि मोदी जी सिर्फ अपने मन की बात सुन रहे हैं।

कांग्रेस ने एक अन्य ट्वीट में कहा, कल्पना कीजिए बर्फ 95 रुपए प्रति लीटर हो रही हो। इस ट्वीट के साथ स्लेज गाड़ी पर सवार सांता की एक तस्वीर के साथ एक संदेश लिखा था, शुक्र हैं सांता स्लेज से चलता है, उसे ईंधन के लिए मोटी रकम नहीं चुकानी होगी। क्रिसमस की विषय वस्तु पर केंद्रित एक अन्य ट्वीट में पार्टी ने कहा, जिंगल बेल्स...जिंगल बेल्स...जिंगल ऑल द वे...ओह व्हाट फन इट वुड बी टू बाय थिंग्स...विदाउट बर्निंग ऑल योर्स सेविंग्स अवे (ओह....कितना मजा आता अगर चीजों को खरीदने के लिए हमें अपनी सारी बचत खर्च नहीं करनी पड़ती)। केंद्र सरकार पर एक और कटाक्ष करते हुए कांग्रेस ने ट्वीट किया, जिंगल बेल्स, जिंगल बेल्स.... पोर्ट, एयरपोर्ट, रोडवेज, रेलवेज आर जस्ट ए फ्यू थिंग्स मोदी जी सेल्स (बंदरगाह, हवाईअड्डे, रोडवेज, रेलवे कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें मोदीजी ने बेचा है)।

कांग्रेस ने कहा, वह सूची नहीं बना रहे हैं, सरकार किसी भी चीज की पुख्ता जांच नहीं कर रही, उनके पास कोई आंकड़ा नहीं है- कौन शरारती या अच्छा है। पार्टी के ट्विटर हैंडल पर सांता की तस्वीर के साथ पोस्ट किए गए संदेश में लिखा है, भगवान का शुक्र है, सांता की एक शरारती और अच्छी सूची है, क्योंकि हमारी सरकार के पास कोई आंकड़ा नहीं है।

पीएम मोदी ने सिख गुरुओं के योगदान को नमन किया...

देश की एकता पर आंच ना आए,एकजुटता जरूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुगलों और अंग्रेजों के खिलाफ भारत के संघर्ष में सिख गुरुओं के योगदान को नमन करते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने (सिख गुरुओं ने) जिन खतरों से देश को आगाह किया था वे आज भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि देश की एकता पर आंच ना आए इसलिए एकजुटता बहुत अनिवार्य है।सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के समारोहों के तहत कच्छ स्थित गुरुद्वारा लखपत साहिब में आयोजित एक समारोह को वीडियो कांफ्रेंस से संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार का मंत्र एक भारत, श्रेष्ठ भारत है और देश की समरसता को बनाए रखने का दायित्व सभी का है।

सिख समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री की यह अपील ऐसे समय में आई है जब दो दिन पहले ही पंजाब के लुधियाना जिला अदालत परिसर में एक विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब देश अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है कोई देश की एकजुटता पर आंच ना ला सके, इसके लिए हमारे बीच एकजुटता बहुत अनिवार्य है। उन्होंने कहा, हमारे गुरुओं ने जिन खतरों से देश को आगाह किया था वह आज भी वैसे ही हैं। इसलिए हमें सतर्क भी रहना है और देश की सुरक्षा भी करनी है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव और उनके बाद अलग-अलग सिख गुरुओं ने भारत की चेतना को तो प्रज्वलित रखा, भारत को भी सुरक्षित रखने का मार्ग बनाया।

गुरु तेगबहादुर मानवता के प्रति अपने विचारों के लिए सदैव अडिग रहे

उन्होंने कहा, हमारे गुरुओं का योगदान केवल समाज और आध्यात्म तक ही सीमित नहीं है। बल्कि हमारा राष्ट्र, राष्ट्र के चिंतन, राष्ट्र की आस्था और अखंडता अगर आज सुरक्षित है तो उसके भी मूल में सिख गुरुओं की महान तपस्या है। जिस तरह गुरु तेगबहादुर मानवता के प्रति अपने विचारों के लिए सदैव अडिग रहे, वह हमें भारत की आत्मा के दर्शन कराता है। जिस तरह देश ने उन्हें हिन्द की चादर की पदवी दी, वह हमें सिख परंपरा के प्रति हर एक भारतवासी के जुड़ाव को दिखाता है। औरंगजेब के खिलाफ गुरु तेग बहादुर का पराक्रम और उनका बलिदान हमें सिखाता है कि आतंक और मजहबी कट्टरता से देश कैसे लड़ता है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत को देश का मंत्र करार दें

एक भारत, श्रेष्ठ भारत को देश का मंत्र करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक नए और समर्थ भारत का पुनरोदय आज देश का लक्ष्य और हर गरीब की सेवा तथा हर वंचित को प्राथमिकता सरकार की नीति है। हर प्रयास का... हर योजना का लाभ देश के हर हिस्से को समान रूप से मिल रहा है। इन प्रयासों की सिद्धि भारत की समरसता को मजबूत बनाएगी और गुरु नानक देव की शिक्षाओं को चरितार्थ करेगी। दशकों से जिस करतारपुर साहिब कॉरिडोर की प्रतीक्षा थी, 2019 में हमारी सरकार ने ही उसके निर्माण का काम पूरा किया। अभी 2021 में हम गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश उत्सव का 400 साल मना रहे हैं।

तीन जनवरी से लगेंगे 15-18 वर्ष के किशोरों को टीके

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि अगले साल तीन जनवरी से 15 साल से 18 साल की आयु के बीच के बच्चों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान आरंभ किया जाएगा। साथ ही 10 जनवरी से स्वास्थ्य व अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों, अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित 60 साल से ऊपर के लोगों को एहतियात के तौर पर टीकों की खुराक दिए जाने की शुरुआत की जाएगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में यह घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि यह फैसला कोरोना वायरस के खिलाफ देश की लड़ाई को तो मजबूत करेगा ही, स्कूल और कॉलेजों में जा रहे बच्चों की और उनके माता-पिता की चिंता भी कम करेगा।

12 साल से ज्यादा के बच्चों के लिए कोवैक्सीन को अनुमति

भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने कुछ शर्तों के साथ 12 साल से अधिक उम्र के किशोरों के लिए भारत बायोटेक के कोविड-19 रोधी टीके कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग के वास्ते मंजूरी दे दी है। केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने 12 अक्टूबर को भारत बायोटेक के आपात इस्तेमाल के लिए आवेदन पर विचार करने के बाद कुछ शर्तों के साथ 12-18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों के लिए कोवैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी देने की सिफारिश की थी।

पंजाब डीजीपी का खुलासा

खालिस्तानियों से जुड़े थे लुधियाना अदालत धमाके के आरोपी के तार

■ चंडीगढ़

पंजाब के पुलिस महानिदेशक सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय ने शनिवार को कहा कि लुधियाना जिला अदालत में जिस पूर्व पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत हुई थी, उसके खालिस्तानी तत्वों और आतंकवादियों से संबंध थे। डीजीपी ने कहा कि घटना के पीछे पाकिस्तान स्थित तत्वों का भी हाथ होने का अंदेशा है। चट्टोपाध्याय ने यहां मीडिया से कहा कि हेड कांस्टेबल गगनदीप सिंह को 2019 में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि सिंह, बम के पुर्जों को जोड़ने और बम को कहीं लगाने के लिए शौचालय गया था।

पुलिस प्रमुख ने कहा कि जब बम फटा तब सिंह शौचालय में अकेला था। चट्टोपाध्याय ने बताया कि सिंह अपने गृह नगर खन्ना में एक पुलिस थाने में मुंशी के पद पर तैनात था और मादक पदार्थ के एक मामले में उसे नौकरी से निकाला गया था। सिंह को 2019 में 385 ग्राम हेरोइन लेकर चलने के लिए मादक पदार्थ रोधी कार्यबल द्वारा गिरफ्तार किया गया था और उस पर स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 2019 के तहत मामला दर्ज किया गया था। डीजीपी ने कहा कि सिंह जेल में दो साल तक सजा काट चुका था और वर्तमान में जमानत पर रिहा था। उन्होंने कहा कि मामले की अगली सुनवाई, धमाका होने के एक दिन बाद, 24 दिसंबर को होने वाली थी।

कश्मीर में दो मुठभेड़ों में चार आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ दो अलग-अलग मुठभेड़ों में चार आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को शोपियां में मार गिराया जबकि पुलवामा में दो आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान अभी नहीं हुई है। दक्षिण कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

शांति की प्रार्थना के साथ मना क्रिसमस

कोहिमा। नगालैंड में शनिवार को पूरे हर्षोल्लास और धार्मिक रीति-रिवाज के साथ क्रिसमस का त्योहार मनाया गया और इस दौरान गत दिनों मोन जिले में सुरक्षाबलों की कथित गोलीबारी और उसके बाद हिंसा में मारे गए 14 लोगों के परिवारों की शांति के लिए प्रार्थना की गई। पूरे राज्य में कोविड-19 नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए क्रिसमस का त्योहार मनाया गया। क्रिसमस के दौरान लोगों को पारंपरिक कपड़ों में प्रार्थना के लिए गिरिजाघरों में जाते और एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए देखा गया।

पंजाब: 22 किसान संगठनों ने बनाया राजनीतिक मोर्चा

चंडीगढ़। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल रहे पंजाब के 22 किसान संगठनों ने शनिवार को एक राजनीतिक मोर्चा बनाया और घोषणा की कि वे आगामी राज्य विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। तीन कृषि कानूनों के प्रदर्शन में शामिल रहे ये 22 किसान संगठन पंजाब के उन 32 किसान संगठनों में से हैं, जिन्होंने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल से अधिक समय तक चले विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

कांग्रेस ने कहा चुनावों के बाद कृषि कानूनों की वापसी होगी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले निरस्त किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानूनों का मुद्दा एक बार फिर गरमाता दिख रहा है। वजह है केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का एक बयान, जिसमें उन्होंने फिर इन कानूनों को लाने के संकेत दिए। कांग्रेस ने शनिवार को सरकार पर पूंजीपतियों के दबाव में दोबारा काले कानूनों का वापस लाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्टीकरण की मांग की। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने तो तोमर के बयान को प्रधानमंत्री की माफी का अपमान करार दिया और कहा कि सरकार ने इन विवादास्पद कानूनों पर यदि फिर से अपने कदम आगे बढ़ाए तो देश का किसान फिर सत्याग्रह करेगा।पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को पराजित कर उसे सबक सिखाने की लोगों से अपील की। दरअसल, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानूनों को आजादी के बाद लाया गया एक बड़ा सुधार करार दिया था।

सुशासन का मतलब विकास

सर्वस्पर्शी व सर्व समावेशी हो, मोदी जी ने इसे चरितार्थ किया

■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार ने लोगों को अच्छा लगे इसके लिए कभी फैसले नहीं लिए बल्कि वही फैसले लिए जो लोगों के लिए अच्छे हों, भले ही उसके लिए उसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा हो। सुशासन दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि देश लंबे समय से सुशासन का इंतजार कर रहा था और आखिरकार इसकी पूर्ति प्रधानमंत्री मोदी ने की।उन्होंने कहा, लोग अक्सर कहा करते थे कि स्वराज तो हमें मिल गया लेकिन सुराज कब मिलेगा...सुशासन कब मिलेगा। उन्होंने कहा कि सुशासन की कमी की वजह से लोगों का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर से विश्वास कम होता जा रहा था। उन्होंने कहा कि सुशासन को जमीनी स्तर तक पहुंचाकर प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतंत्र पर जनता का विश्वास बहाल किया है।

शाह ने कहा कि लोगों को लगता है कि मोदी 2014 में सरकार चलाने के लिए सत्ता में नहीं आए हैं बल्कि एक साफ-सुथरी, पारदर्शी और कल्याकारी प्रशासन देने के लिए आए हैं और ऐसा करके उन्होंने देश की स्थिति ही बदल दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा बढ़ा है क्योंकि उन्हें मोदी सरकार की विकास योजनाओं के लाभ मिलने लगे। उन्होंने कहा, वर्ष 2014 से पहले कई सरकारें बदलीं। कई सरकारें आईं और कई सरकारें गईं। लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए तो लोगों को लगा कि यह सरकार देश को बदलने आई है ना कि सरकार चलाने। शाह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने वोट बैंक को सामने रखते हुए कुछ निर्णय लिए लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार लोगों को अच्छा लगे, ऐसे फैसले नहीं लेती है बल्कि लोगों के लिए अच्छे हों, ऐसे फैसले लेती है। यह एक बहुत बड़ा अंतर है। कुछ निर्णयों से आपको कुछ समय के लिए लोकप्रियता तो हासिल हो जाती हैं लेकिन समस्याएं समाप्त नहीं होतीं।

दोषी को जमानत मिलना गलत

कठुआ दुष्कर्म मामला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने 2018 के कठुआ दुष्कर्म मामले के एक दोषी को जमानत दिए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे ऐसा प्रतीत होता है कि न्याय व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस मामले में 21 दिसंबर को अपने एक फैसले में बर्खास्त पुलिस उपनिरीक्षक आनंद दत्ता की शेष सजा और जेल की अवधि को निलंबित कर दिया तथा आदेश दिया कि उन्हें जमानत बांड जमा करने पर रिहा किया जाए। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट किया,कठुआ दुष्कर्म मामले में सबूत नष्ट करने वाले दोषी पुलिसकर्मी को जमानत दे दी गई और उसकी जेल की अवधि निलंबित कर दी गई, जो बेहद परेशान करने वाली बात है। जब एक बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या करने के मामले में न्याय नही होता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि न्याय व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। जनवरी 2018 में आठ साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी।

जम्मू कश्मीर **स्वदेश लौटे कठुआ निवासी कुलदीप सिंह का लोगों ने भव्य स्वागत किया**

पाक जेल से 29 साल बाद लौटा एक शख्स

एजेंसी ■ जम्मू

पाकिस्तान की जेल में 29 साल बिताने के बाद स्वदेश लौटे कठुआ निवासी कुलदीप सिंह का शुक्रवार रात यहां अपने गृहनगर में जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे देश के लिए किसी भी प्रकार का बलिदान देने से कभी पीछे न हटें। पाकिस्तान ने सिंह (53) को औरंगाबाद के मोहम्मद गुफरान के साथ सोमवार को रिहा कर दिया था और वे स्वदेश वापसी के बाद पंजाब के गुरु नानक देव अस्पताल में रेड क्रॉस भवन पहुंचे थे।

सिंह ने कहा कि 1992 में उनकी गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तानी एजेंसियों ने उन्हें तीन साल तक प्रताड़ित किया। उन्हें कथित जासूसी के आरोप में एक अदालत में पेश किया गया और बाद में उन्हें 25 साल कैद की सजा सुनाई गई। कठुआ के बिलावर स्थित मकवाल गांव के रहने वाले सिंह का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। उनकी प्रशंसा में पटाखे जलाए और देशभक्ति से ओत-प्रोत नारेबाजी की। उन्हों ने संवाददाताओं से कहा, मेरे सभी दोस्तों, ग्रामीणों और विशेष रूप से युवाओं को मेरा संदेश है कि वे गलत रास्तों से दूर रहें, जो उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन, जब देश के लिए कोई बलिदान देने की बात आती है, तो कभी पीछे न हटें। उनके परिवार के सदस्यों ने कहा कि पाकिस्तान में सिंह की गिरफ्तारी के बाद, उनके ठिकाने के बारे में तब पता चला जब उन्होंने लाहौर की कोट लखपत जेल से उन्हें पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि भारतीय कैदी सरबजीत सिंह की हत्या के बाद पिछले आठ वर्षों से कुलदीप सिंह के साथ कोई संपर्क नहीं होने के कारण उन्होंने सारी उम्मीदें खो दी थी। सरबजीत को जासूसी का भी दोषी ठहराया गया था। एक रिश्तेदार ने कहा, हमें खुशी है कि वह इतने सालों के बाद वापस हमारे बीच आए हैं।

लखनऊ के आबादी वाले इलाके में दिखा तेंदुआ, दहशत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के घनी आबादी वाले गुडंबा इलाके में तड़के एक तेंदुआ देखा गया। वन विभाग की टीम ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र स्थित घनी आबादी वाले टेढ़ी पुलिया इलाके से कुछ दूरी पर स्थित एक निजी अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए की तस्वीरें कैद हुई हैं। अस्पताल के मालिक अनिकेत अनी ने भाषा को बताया कि उनके अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में चिकित्सालय परिसर में तड़के करीब 4:12 बजे तेंदुआ टहलता हुआ दिख रहा है।

ऑक्सीजन की दैनिक मांग 800 मीट्रिक टन होने पर ही लॉकडाउन: टोपे

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शनिवार को कहा कि राज्य में फिर से लॉकडाउन तभी लगाया जाएगा, जब चिकत्सीय ऑक्सीजन की दैनिक मांग 800 मीट्रिक टन तक होगी।

राज्य सरकार ने एक दिन पहले, सार्वजनिक स्थानों पर रात नौ बजे से सुबह छह बजे के बीच पांच से अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया था और कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी को देखते हुए सार्वजनिक कार्यक्रमों में लोगों की संख्या को प्रतिबंधित कर दिया था। टोपे ने जालना में पत्रकारों से कहा कि ओमीक्रोन के मामलें तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सामान्य तौर पर ऐसे मरीजों को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराने की जरूरत नहीं पड़ रही और न ही उन्हें पूरक ऑक्सीजन की जरूरत है।

उन्होंने कहा, राज्यव्यापी लॉकडाउन तभी होगा, जब चिकित्सीय ऑक्सीजन की मांग बढ़कर 800 मीट्रिक टन (प्रति दिन) हो जाए। मंत्री ने राज्य में चिकित्सीय ऑक्सीजन की खपत की वर्तमान दर का उल्लेख नहीं किया। हम नहीं चाहते कि लोगों को अधिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़े।

सार समाचार

श्रीलंका के प्रधानमंत्री राजपक्षे ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)। श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने शुक्रवार को यहां के निकट तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। भगवान वेंकटेश्वर मंदिर के एक अधिकारी ने ह्यपीटीआई-भाषाह्ल को बताया कि राजपक्षे (76) अपनी पत्नी श्रीरांति के साथ बृहस्पतिवार दोपहर को यहां पहुंचे। मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि रात में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अतिथि गृह में रुकने के बाद सुबह पारंपरिक परिधान पहने श्रीलंका के प्रधानमंत्री ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर पहुंचे और उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। इससे पहले मंदिर के ह्यमहाद्वारमह्ल पहुंचने पर राजपक्षे का पुजारियों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान मंदिर के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद थे। अधिकारी ने बताया कि पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राजपक्षे दंपति को मंदिर के विशाल श्री रंगनायक मंडपम में आशीर्वाद दिया। अधिकारी ने बताया कि श्रीलंका के प्रधानमंत्री को मंदिर प्रबंधन ने भगवान वेंकटेश्वर का एक चित्र और लड्डू प्रसाद भेंट किया। पूर्व में भी राजपक्षे इस प्राचीन मंदिर में पूजा अर्चना कर चुके हैं,उस दौरान वह देश के राष्ट्रपति थे।

अफगानिस्तान को मानवीय सहायता उपलब्ध कराने संबंधी UNSC के प्रस्ताव का पाक ने स्वागत किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा स्वीकार किए उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें अफगानिस्तान को मानवीय और अन्य सहायता भेजे जाने की अनुमति प्रदान की गई है। साथ ही इसे सही दिशा में बढ़ाया गया कदम करार दिया है। सुरक्षा परिषद ने बुधवार को अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए प्रतिबंधों से छूट देने संबंधी प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में यह रेखांकित किया गया है कि सुरक्षा परिषद को प्रदान की जाने वाली सहायता की निगरानी के साथ ही कोष के सही उपयोग को सुनिश्चित करना चाहिए। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, यह प्रस्ताव बेहद अहम समय पर आया है और अफगानिस्तान के लोगों की सहायता के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा महसूस की गई तात्कालिकता की भावना को दर्शाता है जो दशकों लंबे संघर्ष के चलते दुश्वारियां झेल रहे हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद 80 प्रतिशत महिला पत्रकार हुई बेरोजगार

वाशिंगटन । हाल ही में अध्ययन के अनुसार अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से 6400 से अधिक पत्रकारों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एक अध्ययन में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगान मीडिया में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है।अभी तक 231 मीडिया घरों को बंद कर दिया गया है।अध्ययन के आधार पर हर दस मीडिया संस्थानों में से 4 मीडिया संस्थान गायब हो गए हैं। इसके साथ ही 60 प्रतिशत पत्रकार अब अफगान में काम भी नहीं कर पा रहे हैं।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे का सबसे बुरा असर महिला पत्रकारों पर हुआ है। तालिबान की सत्ता में लगभग 80 प्रतिशत महिला पत्रकारों की नौकरी चली गई है।गर्मियों की शुरूआत में अफगानिस्तान में 543 मीडिया संस्थान थे, जिनमें से नवंबर के अंत तक केवल 312 मीडिया संस्थान ही काम कर पा रहे हैं। इसका मतलब है कि सिर्फ तीन महीनों के अंतराल में अफगानिस्तान से 43 प्रतिशत मीडिया संस्थान गायब हो गए। अध्ययन में बताया गया कि चार महीने पहले अफगान के सभी क्षेत्रों में कम से कम 10 निजी मीडिया संस्थान थे, लेकिन आज वहां कोई भी मीडिया संस्थान नहीं है। पर्वान के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में 10 मीडिया संस्थान हुआ करते थे, लेकिन आज वहां केवल तीन मीडिया संस्थान काम कर रहे हैं। पश्चिमी शहर हेरात और आसपास के क्षेत्र देश का तीसरा सबसे बड़ा मीडिया क्षेत्र था, जहां 51 मीडिया संस्थानों में से आज केवल 65 प्रतिशत गिरावट के साथ 18 संस्थान ही काम कर रहे हैं। वहीं, मध्य काबुल क्षेत्र में देश के सबसे ज्यादा मीडिया संस्थान था, लेकिन वर्तमान में वहां भी हर दो मीडिया संस्थान में एक गायब है। 15 अगस्त से पहले 148 मीडिया संस्थानों में से आज केवल 72 ही काम कर रहे हैं। गौरतलब है, कि तालिबान ने अगस्त में अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद पहली प्रेसवार्ता में महिलाओं के अधिकारों, मीडिया की स्वतंत्रता और पूर्व सरकार में काम कर रहे सरकारी अधिकारियों को माफी देने का वादा किया था। हालांकि इन सबके अलावा अन्य लोगों को भी तालिबान के प्रतिशोध का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही अफगानिस्तान में तालिबान की ओर से पत्रकारों पर बढ़ते अत्याचार की खबरें सामने आई हैं। साथ ही तालिबान की सत्ता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को तालिबान द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है।

बांग्लादेश में बीच नदी में नाव में लगी आग, 32 लोगों की मौत

ढाका । बांग्लादेश में शुक्रवार को नौका में आग लगने से 32 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस प्रमुख मोइनुल इस्लाम ने बताया तीन मंजिला ओभिजन 10 में नदी के बीच में आग लग गई। उन्होंने बताया कि हमने अब तक 32 शव बरामद किए हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। आग से नौका में सवार अधिकांश लोगों की मौत हो गई और कुछ नदी में कूदने के बाद डूब गए। यह घटना राजधानी ढाका से 250 किलोमीटर (160 मील) दक्षिण में दक्षिणी ग्रामीण शहर झकाठी के पास शुक्रवार सुबह हुई है। मौके पर बड़े पैमाने पर पहुंचे अधिकारियों के नेतृत्व में राहत और बचाव कार्यक्रम शुरू किया गया है।

यूएन्स सीक्रेट सर्विस का बड़ा खुलासा, कोविड-19 राहत कोष से हुई 100 बिलियन की चोरी हुई

वाशिंगटन । अमेरिका की सीक्रेट सर्विस कोरोना महामारी राहत कार्यक्रमों के बड़े घोटाले की जांच में लगी है। एक चौंकाने वाले खुलासे में अमेरिकी गुप्त सेवा ने कथित तौर पर कहा है कि संयुक्त राज्य में कोरोना वायरस राहत कार्यक्रमों से कम से कम 100 बिलियन की चोरी हुई है। महामारी की वजह से व्यवसायों और अपनी नौकरी गंवाने वाले लोगों की मदद के लिए स्थापित कोविड -19 राहत कार्यक्रमों से ये फ्रॉड हुआ है। एजेंसी ने कथित तौर पर बेरोजगारी लाभ और ऋण धोखाधड़ी में 1.2 बिलियन डॉलर की वसूली की, जबकि धोखाधड़ी राशि में 2.3 बिलियन डॉलर लौटाए और महामारी के दौरान किए गए धोखाधड़ी से जुड़े 900 से अधिक मामलों की जांच चल रही है।

सीक्रेट सर्विस पता लगाने में जुटी
900 से ज्यादा सक्रिय मामले
100 की गिरफ्तारी
95 आपराधिक मामले
3.5 बिलियन बरामद

वर्जीनिया के पूर्वी जिले की अटॉर्नी जेसिका एबर ने कहा कि इस साल की शुरूआत से एजेंसी ने 30 प्रतिवादियोंह पर कोविड-19 महामारी से जुड़े योजनाओं में धोखाधड़ी के आधार पर मामला दर्ज किया। एजेंसी ने कहा कि धोखाधड़ी पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम (पीपीपी), आर्थिक चोट आपदा ऋण (ईआईडीएल) कार्यक्रम और बेरोजगारी बीमा (यूआई) कार्यक्रम से संबंधित थी। पीपीपी धोखाधड़ी में एजेंसी ने पाया कि व्यक्तिगत व्यवसाय के मालिकों ने बड़े ऋण प्राप्त करने के लिए पेरोल खर्च बढ़ा दिया था और व्यावसायिक संस्थाओं और आय के बारे में झूठे दावों का उपयोग करके कई ऋणों के लिए आवेदन किया था। बेरोजगारी बीमा धोखाधड़ी घोटाले में एजेंसी ने पाया कि आपराधिक समूहों ने यूआई लाभों के लिए फाइल करने के लिए चोरी की पहचान का उपयोग करके धन को लक्षित किया था।

उत्तरी कैलीफोर्निया में भारी बर्फबारी के बीच निकलते हुए वाहन।

ब्रह्मांडीय घटनाओं का सुलझाने में मदद करेगा जेम्स वेब टेलीस्कोप

वाशिंगटन । (एजेंसी)

नासा ने लांच से पहले जेम्स वेब टेलीस्कोप की तस्वीरें जारी की हैं।यह वेब टेलिस्कोप जल्द ही अंतरिक्ष में लांच होने वाला सबसे शक्तिशाली टेलिस्कोप बनने की कतार में है। मौसम और तकनीक के कारण लांचिंग में देरी का सामना करने के बाद, जेम्स वेब टेलीस्कोप अब पूरी तरह से तैयार है।इस फ्रेंच गुयाना स्थित लांचिंग बेस से 25 दिसंबर को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। जेम्स वेब टेलीस्कोप एक नई तरह का स्पेस टेलीस्कोप है। जो हबल का सक्सेसर है,वहां इंफ्रारेड लाइट के जरिए अंतरिक्ष के छिपे हुए हिस्सों को दिखाएगा।इस पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी पर अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा। इस टेलीस्कोप की मदद से हम ग्रह प्रणालियों को मापने और वहां संभावित जीवन की तलाश करने में सक्षम होने वाले है। साथ ही तारों के निर्माण और आकाशगंगाओं में हो रहे बदलावों पर भी नजर रख पाएंगे। जेम्स वेब टेलीस्कोप 25 दिसंबर 2021 को कौरौ गुयाना के पास स्थित यूरोपीय स्पेसपोर्ट से एरियन 5 राकेट पर लांच किया जाएगा।

अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप अब तक निर्मित सबसे जटिल अंतरिक्ष लेबोरेटरी है। इसका निर्माण सिलिकान वैली में नासा की विशेषज्ञता के महत्वपूर्ण योगदान से संभव हुआ है। इस टेलीस्कोप के जरिए वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड के उन हिस्सों का पता लगाने में मदद मिलेगी जिन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। बताया जा रहा है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप 13.5 अरब साल पहले हुए ब्रह्मांडीय घटनाओं पर रोशनी डालेगा। यह पहली लेबोरेटरी है, जो सबसे शुरूआती आकाशगंगाओं की खोज करने में सक्षम है और ब्रह्मांड की हमारी समझ को बदल सकती है।

भारत/पाक के बीच इस साल भी रही तकरार, कम नहीं हुई जन्मजात शत्रुता

नई दिल्ली (एजेंसी)

2021 में भी भारत और पाकिस्तान के संबंध उतार-चढ़ाव वाले रहे। दोनों देशों के बीच इस साल भी स्थितियां अनुकूल नहीं हो पाईं। सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत लगातार पाकिस्तान पर हमलावर रहा तो वही पाकिस्तान ने भी कश्मीर राग को अलापना इस साल भी बंद नहीं किया। आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान की ओर से भारत को मौखिक आश्वासन तो जरूर दिया गया लेकिन भारत अपने पुराने स्टैंड पर कायम है जिसमें कहा गया था कि बोली और गोली एक साथ नहीं हो सकती। पाकिस्तान पहले आतंकवादियों को पनाह देना बंद करें उसके बाद बात होगी। इस साल भी कश्मीर में पाकिस्तान प्रेरित कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है जबकि 1-2 को जिंदा भी पकड़ा गया। इसके अलावा जम्मू में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन भी भेजे गए जिसके बाद से भारत की ओर से कड़ा रुख अख्तियार किया गया। कश्मीर पर भारत का स्टैंड पहले जैसा साफ और क्लियर रहा कि यह हमारा अंदरूनी मसला है और इसमें किसी की दखलंदाजी नहीं चाहिए।

पहले पाकिस्तान ने कश्मीर में अगस्त, 2019 के कदमों (अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को निरस्त करना) को उलटने पर भारत के साथ बातचीत शुरू करने की शर्त रखी थी, लेकिन जनरल बाजवा ने यह कहकर स्वर धीमे कर लिए कि भारत को अनुकूल माहौल बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री इमरान खान, जिन्होंने 2019 में भारत द्वारा जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के बाद से कड़ा रुख अपनाया था, ने भी यह कहकर अपनी बयानबाजी को कम कर दिया कि पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सर्वोपरि हैं। साल के अंत में, प्रधानमंत्री खान ने नौ दिसंबर को इस्लामाबाद में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर विवाद के समाधान तक भारत के साथ शांति संभव नहीं है। लेकिन उन्होंने इस बार एक और बाधा बताईः आरएसएस की विचारधारा। कुल मिलाकर देखे तो भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों के लिए, जैसे-जैसे एक और साल समाप्त होता जा रहा है, चीजें फिर से उसी ढर्रे पर लौट गईं। 31 मार्च को, पाकिस्तान ने भारत को लगभग चौंका दिया जब उसकी निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था, आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने भारत से चीनी और कपास के आयात पर प्रतिबंध हटा दिया। महीनों बाद नवंबर में, पाकिस्तान ने चुपचाप भारत को कश्मीर और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सीधी उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति दी, लेकिन उसकी नियति भी पिछले सकारात्मक कदमों से अलग नहीं थी। एक हफ्ते बाद इस्लामाबाद ने अनुमति वापस ले ली। उड़ानों की अनुमति क्यों दी गई और उन्हें क्यों बंद किया गया, इसका कोई कारण नहीं बताया गया। हालांकि इससे रिश्तों में एक बार फिर से कड़वाहट देखने को मिली। अफगानिस्तान की स्थिति ने पाक-भारत संबंधों के संदर्भ में एक सकारात्मक घटनाक्रम को उभारा। नवंबर में, भारत ने करतारपुर गलियारा को फिर से खोल दिया, जो पाकिस्तान में गुरु नानक देव के अंतिम विश्राम स्थल,गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से जोड़ता है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत होने में भी विफल रहे कि पाकिस्तान में सजायाफ्ता भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के खिलाफ इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में उनकी समीक्षा अपील में उनका प्रतिनिधित्व कैसे किया जाना चाहिए। जब पाकिस्तान और भारत फरवरी 2021 में अत्यधिक अस्थिर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शांति बहाल करने के लिए सहमत हुए, तो ऐसा लगा कि वे फिर से दुश्मनी और अविश्वास की ऊबड़-खाबड़ राह से मुड़ने के लिए तैयार हैं। हालांकि, आने वाले कुछ महीनों में साफ हो गया कि यह एक और मृगतृष्णा थी। पाकिस्तान-भारत संबंधों की कहानी एक कदम आगे, दो कदम पीछे कहावत वाली है। अब तक, द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में लगभग हर सकारात्मक कदम पर जन्मजात शत्रुता हावी रही है जो अक्सर आम भावनाओं से प्रेरित रहती है।

जिनपिंग के साथ मिलकर हाईटेक हथियार बना रहा रूस, ओलंपिक बहिष्कार पर बोले पुतिन- चीन के विकास को कोई नहीं रोक सकता

नयी दिल्ली (एजेंसी)

किसी भी देश की ताकत का अंदाजा उसकी बेहतर सैन्य शक्ति और हाईटेक हथियारों के आधार पर आंका जाता है। रूस और चीन की एक बड़ी साझेदारी का खुलासा हुआ है। ये खुलासा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद किया है। पुतिन ने कहा है कि रूस और चीन ने उच्च तकनीक वाले हथियार विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक के अनुसार चीनी सेना सबसे उन्नत हथियार प्रणालियों से लैस है। हम यहां तक कि अलग-अलग हाई-टेक हथियार भी एक साथ विकसित कर रहे हैं। हम अंतरिक्ष, विमानन, के क्षेत्र में भी आपस में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों में भी सहयोग बढ़ रहा है।

पुतिन ने कहा कि रूस 2060 के बाद चीन को ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा, उच्च तकनीक सहित सभी क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रखेंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने अभी बताया कि मास्को का बीजिंग के साथ आर्थिक सहयोग बना हुआ है, जिसके कारण एशिया तेजी से विकास कर रहा है। पुतिन ने मास्को और बीजिंग की मजबूत साझेदारी का जिक्र करते हुए बताया कि दोनों देशों ने अब तक करीब 100 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार किया है, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया गया है, जिसमें परमाणु ऊर्जा, मानवाधिकारों और अंतरिक्ष शामिल हैं।

ओलंपिक बहिष्कार चीन के विकास को रोकना का प्रयास

बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक का बहिष्कार करने के कुछ देशों के फैसले पर टिप्पणी करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी देश चीन के विकास को रोक नहीं सकता है। पुतिन ने बहिष्कार को चीन के विकास को रोकने का प्रयास, संभावित प्रतिस्पर्धियों को अपना सिर उठाने से रोकना बताया।

साल 2022 में ओमिक्रोन का दिखेगा और भी ज्यादा कहर, इस देश में आएंगे सबसे ज्यादा केस

मुंबई। (एजेंसी)

सिंगापुर। कोरोना वायरस के नए एवं अधिक संक्रामक स्वरूप 'ओमीक्रोन' के 2022 में सबसे अधिक मामले सामने आ सकते हैं। वहीं, वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप की तुलना में यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक मात दे रहा है। सिंगापुर के विशेषज्ञों का ऐसा मानना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोविड-19 वैश्विक महामारी को अगले साल खत्म करने के लिए विश्व से एक साथ आने का आह्वान किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक तेद्रोस अदहानोम ग्रेबेयेसस ने सोमवार को जिनेवा में पत्रकारों से कहा था, '2022 वह वर्ष होगा, जब हम वैश्विक महामारी को पूरी तरह खत्म कर देंगे।' इसके विपरीत, सिंगापुर के विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि 'ओमीक्रोन' स्वरूप कितना खतरनाक है। साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कब खत्म होगी, इसका पूवार्नुमान लगाने की कोशिश करना 'निरर्थक' है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं एसोसिएट प्रोफेसर नताशा हॉवर्ड ने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि 2022 में विश्व में 'ओमीक्रोन' स्वरूप के सबसे अधिक मामले सामने आएंगे।' उन्होंने कहा कि 'ओमीक्रोन' स्वरूप अधिक संक्रामक है और 'डेल्टा' स्वरूप की तुलना में यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक मात दे रहा है। हॉवर्ड ने कहा, 'ओमीक्रोन' के अधिक फैलने से, संक्रमण के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ सकती है। इसके प्रभाव अब भी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन इससे पता चलता है कि वैश्विक महामारी पर अभी तक काबू नहीं पाया गया है और कोविड-19 रोधी टीके लगवाने तथा उसकी 'बूस्टर' खुराक के विश्व में हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचने तक, नए स्वरूपों के सामने आने की आशंका बनी रहेगी।' इस बीच, सिंगापुर में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 322 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 2,77,042 हो गए। इन 322 नए मामलों में से 89 लोग ऐसे हैं जो दूसरे देशों से यहां आए हैं।

अमेरिका में कोविड-19 रोधी दवा को मंजूरी दी गई, बाइडन ने बताया 'महत्वपूर्ण कदम'

वाशिंगटन। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामकों ने बुधवार को एक कोविड-19 रोधी दवा को मंजूरी दी, जिसे राष्ट्रपति जो बाइडन ने वैश्विक महामारी से निपटने की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण कदम' बताया है। यह दवा 'फाइजर' की एक गोली है, जिसे अमेरिका के लोग संक्रमण के खतरनाक असर से बचने के लिए घर पर ही ले पाएंगे। बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन दवा का सामान वितरण सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाएगा। यह 'पैक्सलोविड' दवा संक्रमण की चपेट में आते ही उससे निपटने का एक बेहतर तरीका है, हालांकि इसकी प्रारंभिक आपूर्ति बेहद सीमित होगी। संक्रमण से निपटने के लिए अब तक जिन दवाओं को अधिकृत किया गया है, उन सभी के लिए आईवी या इंजेक्शन की जरूरत होती है। वहीं, 'मर्क' दवा कम्पनी की भी एक संक्रमण रोधी गोली को जल्द ही अधिकृत किया जा सकता है।

दलाई लामा ने अमेरिका की ओर से तिब्बती मामले पर उजरा जेया की नियुक्ति को सराहा

धर्मशाला। (एजेंसी)

तिब्बतीयों के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने अमेरिका के उस कदम को सराहा है जिसमें उन्होंने सुश्री उजरा जेया को तिब्बती मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष समन्वयक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से इन दिनों खुशी की लहर है। तिब्बतीयों को उम्मीद है कि बाईडेन प्रशासन के इस कदम से चीन पर दवाब बनाया जा सकेगा। और तिब्बती अंदोलन को भी नई दिशा मिलेगी। तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष संयोजक के तौर पर जेया 2020 के तिब्बती नीति एवं सहयोग अधिनियम के अनुरूप तिब्बत के मामलों से संबंधित अमेरिकी सरकार की नीतियोंङ्क कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समन्वय करेंगी।दलाई लामा ने उजरा जेया को बधाई देते हुये अपने पत्र में उम्मीद जताई है कि उजरा जेया तिब्बती लोगों की स्थिति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम होंगी। दलाई लामा ने लिखा है कि॥निरंतर और लगातार अमेरिकी समर्थन स्वतंत्रता और सम्मान के लिए हमारे शांतिपूर्ण संघर्ष में तिब्बतियों के लिए महान प्रोत्साहन का स्रोत रहा है। यद्यपि मैंने एक निर्वाचित तिब्बती नेतृत्व को राजनीतिक अधिकार सौंप दिया है, फिर भी मैं तिब्बती पहचान, हमारी विशिष्ट संस्कृति और विरासत के अस्तित्व और तिब्बत के नाजुक प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में चिंतित हूं। मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि आपने अपनी पहली टिप्पणी में उल्लेख किया था कि ये आपकी प्राथमिकताएं होंगी। जैसा कि आप जानते हैं, तिब्बती लोगों के शांतिपूर्ण संघर्ष में व्यापक अंतरराष्ट्रीय हित और समर्थन रहा है, जिनकी अहिंसा और करुणा की समृद्ध संस्कृति में दुनिया में योगदान करने की इतनी क्षमता है। दलाई लामा ने विश्वास जताया कि लंबे समय में सत्य की शक्ति प्रबल होगी।॥मैं आपसे मिलने और उन मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हूं जो आपके समर्थन और पहल से लाभान्वित हो सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आप हमारे निर्वाचित तिब्बती नेतृत्व के निकट संपर्क में रहेंगे।॥दलाई लामा ने कहा कि उन्हें यह देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि तिब्बती मुद्दों के समन्वय के अलावा, लोकतंत्र की चिंता भी सुश्री जेया के पोर्टफोलियो का हिस्सा है और अमेरिका ने हाल ही में एक लोकतंत्र शिखर सम्मेलन आयोजित किया है।उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ॥मेरा दृढ़ विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के मूलभूत मूल्यों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। अमेरिका ने तिब्बत के मुद्दों के लिए भारतीय मूल की राजनयिक उजरा जेया को अपना विशेष संयोजक नियुक्त किया है। उन्हें तिब्बत पर एक समझौते के लिए चीन और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच ह्यठोस बातचीत' को आगे बढने का काम सौंपा गया है। अपने राजनयिक करियर में नई दिल्ली में भी तैनात रह चुकी जेया ने 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विदेश सेवा से इस्तीफा दे दिया था। वह नागरिक सुरक्षाङ्क लोकतंत्र और मानवाधिकारों की

अवर सचिव भी हैं। तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष संयोजक के तौर पर जेया 2020 के तिब्बती नीति एवं सहयोग अधिनियम के अनुरूप तिब्बत के मामलों से संबंधित अमेरिकी सरकार की नीतियोंङ्क कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समन्वय करेंगी।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया, सर्वश्रेष्ठ, मीडिया ट्रेड यूनियन

नई दिल्ली। इंडियन ब्रेव हार्ट्स संस्था की तरफ से , वर्ष 2021 का नेशनल गौरव अवार्ड, वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया को प्रदान किया गया है। यूनियन को ये से सम्मान कोरोना महामारी के दौरान किये गए उत्कृष्ट कार्यों के एवज में दिया गया और वर्किंग

जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया को सर्वश्रेष्ठ मीडिया ट्रेड यूनियन माना गया है। ये सम्मान नई दिल्ली स्तिथ, विज्ञान भवन में , बालयोगी उमेश जी महाराज, सुधांशु जी महाराज, ज्योतिषचार्य इंदुप्रकाश जी व सांसद सुनीता दुग्गल ने प्रदान किये।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की तरफ से ये सम्मान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनूप चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी, उत्तराखंड यूनिट के अध्यक्ष श्री सुनील कुमार गुप्ता, उत्तरप्रदेश यूनिट के अध्यक्ष श्री पवन कुमार श्रीवास्तव, हरियाणा यूनिट के अध्यक्ष श्री योगश सूद, परामर्शदाता समिति से संजय कुमार मिश्रा, दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष संदीप शर्मा, महासचिव देवेंद्र सिंह तोमर, कोषाध्यक्ष नरेंद्र धवन, उपाध्यक्ष सुधीर सलूजा, सचिव स्वंतत्र सिंह भुल्लर, सुनील परिहार, प्रचार सचिव धर्मेंद्र भदौरिया, सदस्य कार्यकारिणी ईश मालिक, अशोक सक्सेना, जगजीत सिंह, महेश स्रद्धश्ठुस्रद्व4ड्डद्य, व जीतेन्द्र चतुर्वेदी ने ग्रहण किया है।

मंच से यूनियन के बारे में बताया गया कि कोरोना महामारी के दौरान यूनियन की तरफ से मीडियाकर्मियों के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया गया, जिसपर पत्रकारों की शिकायतों व तकलीफो को सुना जाता व उनका निवारण हरसंभव तरीके से किया जाता। दिल्ली में जिस समय ऑक्सीजन की कमी हो रही थी, उसी दौरान यूनियन ने 2 ऑक्सिजन concentrator का इंतजाम किया। यूनियन की तरफ से मास्क, सैनिटाइजर, व राशन किट पत्रकारों को वितरित की गयी । इस अवसर पर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनूप चौधरी व राष्ट्रीय महासचिव श्री नरेन्द्र भंडारी ने कहा कि देश मे कोरोना की तीसरी लहर जी आशंका को देखते है, यूनियन ने अपनी तरफ से तैयारियां शुरू कर दी है। यूनियन ने केंद्र सरकार से एकबार फिर से मीडियाकर्मियों जो कोरोना वारियर , जा दर्ज देने की मांग की है।

श्री राम वंडर ईयर्स स्कूल के बच्चों लिए क्रिसमस की खुशियां लेकर आया

स्नोई फेस्ट क्रिसमस कार्निवल बच्चों के लिए आयोजित किया गया

नई दिल्ली। रोहिणी स्थित श्री राम वंडर इयर्स प्री-स्कूल ने स्कूल के नन्हे-मुन्नों के लिए स्नोई फेस्ट क्रिसमस कार्निवल' का आयोजन किया गया। प्री स्कूल के छात्रों ने स्कूल में बाउंसी फन, सांता फोटो बूथ आदि जैसी कई गतिविधियों में हिस्सा लिया। विभिन्न परिधानों में बच्चों ने पोशाक प्रतियोगिता में भाग लिया। कोरोना नियमों का पालन करते हुए छात्रों के लिए कठपुतली शो, टैटू आर्ट और मैजिक शो का भी बच्चों ने आनंद उठाया। प्रत्येक छात्र को विशेष उपहार के रूप में क्रिसमस गुडी बैग दिया गया।

श्री राम वंडर इयर्स, रोहिणी की निदेशक सुमेधा गोयल ने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, क्रिसमस साल के सबसे अच्छे समय में से एक है, हमने स्कूल में छोटे से कार्यक्रम के जरिए इसे जीवंत करने की कोशिश की है। टीएसडब्ल्यूवाई में बच्चों को विभिन्न संस्कृतियों के बारे में बताने और साथ ही उन्हें खुशी का समय देने के लिए यह हमारा छोटा सा प्रयास है।

दक्षिणी दिल्ली सांसद खेल स्पर्धा के अंतर्गत हुआ क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस व आजादी के 75 वर्ष, अमृत महोत्सव के अवसर पर दक्षिणी दिल्ली सांसद खेल स्पर्धा के अंतर्गत क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। यह टूर्नामेंट 60 टीमों के बीच हुए टुर्नामेंट का सेमी- फ़ाइनल व फ़ाइनल था जिसका आयोजन हमदर्द क्रिकेट ग्राउडं में हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन टॉस उछाल कर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद बैजयंत जय पांडा द्वारा किया गया। टूर्नामेंट का समापन मुख्य अतिथि किरन रिजिजू केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्री ने किया। इस कार्यक्रम में डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली भी मौजूद रहें। इस मौके पर बैजयंत जय पांडा ने कहा कि दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने इस क्रिकेट टूर्नामेंट के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को आगे आने का एक अवसर दिया है। इस प्रकार के महत्वपूर्ण प्रयासों से लोगों के बीच स्वस्थ रहने के लिए खेल की

उपयोगिता भी पता चलेगी। इस मौके पर किरन रिजिजू ने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी युवा पीढ़ी तनाव ग्रस्त हो रही है। खेल इस तनाव को दूर करने का बेहतर माध्यम है। इस कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी व बैजयंत जय पांडा ने भी क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने कोशल का प्रदर्शन किया। इन दोनों ने क्रिकेट खेल कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

इस टूर्नामेंट में प्रतिभागी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पिछले 21 दिसंबर को इस टूर्नामेंट के शुरुआत हुई थी। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत हासिल करने वाली टीम व अन्य टीमों के खिलाडियों को अतिथियों ने पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास हमें युवाओं को आगे बढ़ाने का मौका देते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि दक्षिणी दिल्ली में आगे खेल स्पर्धा के आयोजन में सहयोग करेंगे। इस मौके पर दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा की प्रेरणा से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट का आयोजन विवेक बिधूड़ी फाउंडेशन द्वारा किया गया था। इस मौके पर दिल्ली भाजपा प्रवक्ता विक्रम बिधूरी, जिला अध्यक्ष जगमोहन मेहलावत ,महामंत्री बलवीर, दीपक जैन निगम पार्षद रविंद्र ,कई बड़े नेता मौजूद रहें व क्रिकेट टूर्नामेंट को देखने के लिए आसपास के इलाके के लोग भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहें।

किसी रोते हुए बच्चे को हंसाया जाये... डेरा सच्चा सौदा ने गरीब बच्चों को बांटे खिलौने और खाने का समान

नई दिल्ली। डेरा सच्चा सौदा के अनुयायियों ने झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीब परिवार के बच्चों को खिलौने बांट कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की अनूठी कोशिश की है। दिल्ली के ईस्ट आज़ाद नगर में आयोजित एक कार्यक्रम में सेवादारो ने बड़ी संख्या में गरीब वंचित वर्ग के बच्चों को खिलौने और खाने का सामान बांट कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का सराहनीय प्रयास किया है

डेरा सच्चा सौदा की दूसरी पातशाही परम पूज्य शाह सतनाम सिंह जी महाराज की पवित्र याद में शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग के सेवा द्वारा मासूम बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने की मुहिम के तहत जरूरतमंद बच्चों को खिलौना और खाने का सामान वितरित किया गया। डेरा सच्चा सौदा की तीसरी पातशाही डॉक्टर गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा द्वारा मानवता भलाई के 135 कार्य चलाए जा रहे हैं । इसी कड़ी के तहत हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली सरीखे राज्यों के सेवादार मिलकर 25,777 जरूरतमंद बच्चों को खिलौने और खाने का सामान वितरित कर रहे हैं । वहीं देश की राजधानी दिल्ली में1953 बच्चों को सामान और खिलौने वितरित किये गए। गौरतलब है कि डेरा सच्चा सौदा सत्संग दिसंबर महीने को याद-ए-मुर्शीद के रूप में मनाते है । जिसमे मानवता भलाई के कई कार्य

किये जाते हैं ।

डेरे की इस मुहिम को देखकर निदा फ़ाज़ली की लिखी पंक्तियां याद आती है कि घर से मस्जिद है बहुत दूर,चलो यूँ करें किसी रोते हुए बच्चे को हंसाया जाया।

इतना कैश की 24 घंटे बाद भी पूरी नहीं हुई नोटों की गिनती, 8 मशीनें लगीं

नई दिल्ली। कानपुर में कल इत्र कारोबारी के घर जिस तरह से छापेमारी हुई और इतना ज्यादा कैश बरामद हुआ कि आयकर विभाग को 8 मशीनों का इस्तेमाल करना पड़ा। आलम ये है कि 24 घंटे गुजर जाने के बाद भी नोटों की गिनती पूरी नहीं हो सकी। ये पूरी रकम 150 करोड़ रुपए की बताई जा रही है। शैल कंपनियों के जरिये 100 करोड़ रुपये से अधिक का लोन लेने की भी बात सामने आई है।

150 करोड़ का कैश मिला

कर चोरी की आशंका में जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय की टीम ने बीते दिनों इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर छापा फैक्ट्री, ऑफिस, कोल्ड स्टोरेज और पेट्रोल पंप पर छापा मारा। रेड कानपुर, कन्नौज, गुजरात, मुंबई के ठिकानों पर मारी गई। आयकर विभाग को छापेमारी के दौरान जो मिला उसने पूरी टीम के होश उड़ा दिए। पान मसाला समूह से जुड़े समूह से जुड़ी छापेमारी में बड़े इत्र कारोबारी को भी जद में ले लिया गया। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी में करीब 150 करोड़ का कैश मिला है। जिसे गिनने के लिए आठ मशीने लगानी पड़ी। रात भर रेड में मिले पैशों की गिनती चलती रही। जीएसटी विभाग की सूत्रों की मानें तो तीनों कारोबारी एक दूसरे से मिले हुए हैं।

समाजवादी इत्र लॉच करने वाले पीयूष जैन कौन हैं

पीयूष जैन इत्र के बड़े कारोबारी हैं। अखिलेश यादव के बेहद करीबी बातए जाते हैं। अभी हाल ही में उन्होंने समाजवादी पार्टी नाम से एक इत्र भी लॉच किया था। जिसकी वजह से वो काफी सुर्खियों में रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीयूष जैन 40 कंपनियों के मालिक हैं।

ओवैसी ने यूपी पुलिस को दी खुलेआम धमकी

नई दिल्ली । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में एक रैली को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस को खुलेआम धमकी दी है। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ 'असंसदीय' टिप्पणी कर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, ओवैसी ने यूपी पुलिस के कर्मियों को धमकी देते हुए कहा, रमैं पुलिस अधिकारियों को याद दिलाना चाहता हूं कि उन्हें इस तथ्य को जानने की जरूरत है कि योगी और पीएम मोदी हमेशा नहीं रहेंगे। हम मुसलमान निश्चित रूप से समय के लिए मजबूर हैं, लेकिन याद रखें कि हम आपके अत्याचारों को नहीं भूलेंगे। हम आपके अत्याचारों को याद रखेंगे। अल्लाह आपको अपनी शक्ति से नष्ट कर देगा। हालात बदलेंगे, फिर कौन आएगा तुम्हें बचाने? योगी अपने मठ और मोदी पहाड़ों पर जाएंगे। फिर कौन तुझे बचाने आएगा। ओवैसी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने एआईएमआईएम प्रमुख को फटकार लगाते हुए कहा, रजब भी औरंगजेब और बाबर जैसे लोग देश में अत्याचार करने आएंगे, महाराणा प्रताप, शिवाजी, योगी और मोदी जैसा कोई व्यक्ति सामने आएगा।

दिल्ली से लखनऊ तक का सफर जल्द ही करीब साढ़े 3 घंटे में कर सकेंगे: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली से लखनऊ के बीच एक नए एक्सप्रेसवे का निर्माण होने जा रहा है, जिससे दोनों शहरों के बीच की दूरी घटकर मात्र साढ़े तीन घंटे के करीब रह जाएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजपथ मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को अपनी सरकार के इस मेगा प्लान का खुलासा किया है। उन्होंने कहा है, 'हमने दिल्ली से लखनऊ को जोड़ने की एक योजना तैयार की है।' उन्होंने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीएफ) प्रोजेक्ट के लिए देश के किसी भी हाइवे के पहले इंटेलिजेंस ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) के उद्घाटन के मौके पर ऐलान किया है कि प्रस्तावित एक्सप्रेसवे का भूमि पूजन समारोह अगले 10-12 दिनों के अंदर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में की जाएगी। उन्होंने ये भी कहा है कि यह एक्सप्रेसवे

लिंक भी पूरी तरह से सिग्नल फ्री होगा। इस मौके पर गडकरी ने कहा कि 'हमारे पास पहले से ही दिल्ली से गाजियाबाद के बीच एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी है और अगले 10-12 दिनों में हम कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे। हम इस पर अध्ययन करेंगे कि कैसे इन दोनों एक्सप्रेस के बीच की कनेक्टिविटी को बेहतर किया जा सकता है। हमें इस लिंक में पड़ने वाले भीड़भाड़ वाले शहरों के लिए बायपास बनाना होगा या फिर एलिवेटेड स्ट्रेच तैयार करने होंगे। हम सभी पहलुओं पर अध्ययन करेंगे।' हालांकि, सूत्रों का कहना है कि दिल्ली और लखनऊ की दूरी को देखते हुए यह कठिन लग रहा है, लेकिन नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) इसपर विस्तार से अध्ययन करेगा कि किस तरह से इन दोनों राजधानियों के बीच की दूरी को घटाया जाए।

सावधान! देश में अभी तक ओमीक्रोन के 358 मामले आए सामने, महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा केस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के 122 नए मामले सामने आने के बाद, देश में इस स्वरूप के मामले बढ़कर 358 हो गए। इनमें से 114 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर चले गए हैं। ये मामले 17 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में सामने आए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि महाराष्ट्र में 'ओमीक्रोन' स्वरूप के सबसे अधिक 88 मामले, दिल्ली में 67, तेलंगाना में 38, तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 31 और गुजरात में 30 मामले सामने आए। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड-19 के 6,650 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,47,72,626 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 77,516 रह गई है। 374 और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,79,133 हो गई।

आंकड़ों के अनुसार, देश में लगातार 57 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 15 हजार से कम हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 77,516 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.22 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 775 की कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.40 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। मंत्रालय आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 0.57 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 81 दिन से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.59 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 40 दिन से एक प्रतिशत से कम है। देश में अभी तक कुल 3,42,15,977 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.38 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 140.31 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को गुरु पर्व पर लखपत साहिब गुरुद्वारा में आयोजित समारोह को संबोधित करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सिखों के पहले गुरु नानक देव के 552वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गुजरात के कच्छ स्थित लखपत साहिब गुरुद्वारे में आयोजित गुरु पर्व समारोहों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी 25 दिसंबर को दोपहर करीब बारह बज कर तीस मिनट पर गुजरात के कच्छ में स्थित गुरुद्वारा लखपत साहिब में गुरु नानक देव जी के गुरु पर्व समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करेंगे।' 'पीएमओ ने कहा कि हर साल 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक गुजरात के सिख लखपत साहिब गुरुद्वारे में गुरु नानक

देव जी का गुरु पर्व मनाते हैं। गुरु नानक देव लखपत गुरुद्वारा साहिब में रुके थे। गुरुद्वारा लखपत साहिब में उनकी कुछ वस्तुयें रखी हुई हैं, जिनमें खड़ाऊं, पालकी और पांडुलिपियां शामिल हैं। कुछ पांडुलिपियां गुरुमुखी लिपि में हैं। वर्ष 2001 में आए भूकंप से इस गुरूद्वारे को भी नुकसान पहुंचा था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने बाद में इसका जीर्णोद्धार कराया था। पीएमओ ने कहा, 'इस पहल से सिख पंथ के प्रति प्रधानमंत्री की गहरी आस्था का पता चलता है। उनकी आस्था हाल के अन्य अवसरों पर भी नजर आई, जैसे गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व, गुरु गोबिन्द सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व और गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व।' ज्ञात हो कि पंजाब में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

शिअद और कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, बोले- बेअदबी के मास्टरमाइंड को पकड़ा होता तो यह घटनाएं नहीं होती

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को गुरुदासपुर में कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लुधियाना में कल बम धमाका हुआ। सुनकर काफी दुख हुआ। इस धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कुछ लोग जख्मी हो गए, जो अस्पताल में भर्ती हैं। इससे कुछ दिन पहले श्री गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी करने की कोशिश की गई। कुछ लोग पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। यह तमाम वारदातें चुनाव के समय पर ही क्यों होती हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी चुनाव से कुछ वक्त पहले मोड़ में बम धमाका हुआ था। इतना ही नहीं 2015 में बेअदबी कांड हुआ था और अब भी कुछ लोग पंजाब का माहौल खराब करने की साजिश की है। कौन हैं ये लोग ? कौन करवा रहा है यह ? उन्होंने कहा कि 2015 में हुए बेअदबी कांड में आज तक दोषियों को सजा नहीं मिली। पंजाब की सरकारें संदेश दे रही हैं कि ये चलता रहेगा, हम कुछ नहीं करेंगे और हम तुम्हारे साथ खड़े हैं। केजरीवाल ने कहा कि सरकारें बदल गईं लेकिन दोषियों को सजा नहीं मिली। उन्होंने कहा कि अगर शिअद, कांग्रेस सरकारों ने बेअदबी के मास्टरमाइंड को पकड़ा होता तो आज बेअदबी की घटनाएं ना होती। कांग्रेस की पंजाब सरकार कमजोर सरकार है जो दोषियों को पकड़ने की जगह आपस में ही लड़ने में लगी हुई है। आज पंजाब की सबसे ज्यादा जरूरत है कि आम आदमी पार्टी की सरकार बने। हम ईमारदार और स्थिर सरकार देंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश के भीतर महज आम आदमी पार्टी है जो ईमारदार सरकार देती है। दिल्ली में हमने करके दिखाया है, यहां भी करेंगे। वहीं केजरीवाल ने कहा कि पुलिस भर्ती पैसे ले-देकर होती है, हम इसे और पुलिस के कामकाज में दखल को बंद करेंगे। बेअदबी और बम ब्लास्ट के सभी पुराने कांड की जांच कराएंगे और

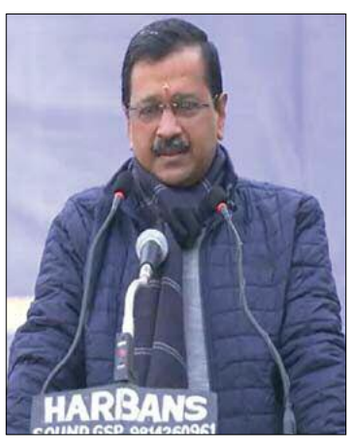

मास्टरमाइंड को जेल में चक्की पिसवाएंगे। बॉर्डर के एक-एक इंच की सुरक्षा करेंगे।

संपादकीय

अक्षम्य प्रवृत्ति

हाल ही के दिनों में पंजाब में दो अप्रिय घटनाक्रम सुर्खियों में रहे, जिसमें भीड़ ने अलग-अलग स्थानों में दो व्यक्तियों को पीट-पीटकर मार डाला। दोनों घटनाक्रम कथित बेअदबी के प्रयासों से संबंधित रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि किसी धर्म विशेष की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से किये गए किसी भी कुत्सित कार्य की सख्त शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। लेकिन वहीं दूसरी ओर दो लोगों की निर्मम हत्या कानून की घोर अवहेलना को ही तो दर्शाती है। निस्संदेह किसी सभ्य-सुसंस्कृत समाज में आवेशित भीड़ द्वारा किसी की जान लेने की प्रवृत्ति का कोई स्थान नहीं हो सकता। बेहतर होता कि कानूनी कार्रवाई के लिये आरोपी को पुलिस को सौंप दिया जाता ताकि इसके मूल में यदि कोई बड़ी साजिश होती तो उसकी जड़ तक पहुंचा जा सकता था। नियामक व प्रबंधन से जुड़ी धार्मिक संस्था को समझदारी व जिम्मेदारी से समय रहते स्थिति को संभालना चाहिए था। किसी भी स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने से पूर्व ही हालात को संभाल लिया जाना आवश्यक हो जाता है। वहीं कपूरथला जिले में भी ऐसे घटनाक्रम की पुनरावृत्ति हुई। हालांकि, शुरुआती दौर में पुलिस द्वारा कहा गया कि ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया है जो स्थापित करे कि आस्था के प्रतीकों का अनादर किया गया। बहुत संभव है कि संदेह के आधार पर व्यक्ति सामूहिक आक्रोश का शिकार बना हो। लेकिन ऐसी प्रवृत्तियों से बचा जाना चाहिए। जुलाई में भी गुरदासपुर-पठानकोट मार्ग पर एक धार्मिक स्थल में चोरी के कथित आरोप में सीमा सड़क संगठन के एक कर्मचारी को पीट-पीटकर मार डाला गया था। वहीं अक्तूबर में किसान आंदोलन के दौरान सिंघु बॉर्डर पर एक श्रमिक पर बेअदबी के आरोप में धारदार हथियारों से जानलेवा हमला किया गया था। पंजाब में बेअदबी एक बेहद संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा रहा है। वर्ष 2015 में भी इस तरह की एक श्रृंखला ने पंजाब को उद्वेलित किया था, जिसको लेकर राजनीतिक दलों द्वारा आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला लगातार चलता रहा है।

निस्संदेह, पंजाब बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। राज्य में अगले साल के प्रारंभ में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव बाधित करने के कुत्सित प्रयास हो सकते हैं, जिसके चलते राजनीतिक दलों को जिम्मेदाराना व्यवहार करने तथा पुलिस-प्रशासन द्वारा चौकस रहने की आवश्यकता है। इन तमाम हालात को देखते हुए पंजाब सरकार की भी जिम्मेदारी बनती है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने को लेकर सतर्क रहे और असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटे। ऐसे संवेदनशील समय में सत्तापक्ष के साथ ही विपक्षी दलों की भी जवाबदेही बनती है कि वे ज्वलनशील मुद्दों को हवा देने से बचें। राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। भीड़ द्वारा हिंसा की घटना पर राजनीतिक दलों का प्रतिक्रिया से परहेज हिंसा की अनदेखी करने के समान ही है। इसमें दो राय नहीं कि देश के विभिन्न राज्यों में भीड़ की हिंसा को रोकने के लिये राजनीतिक इच्छाशक्ति में कमी लगातार सामने आती रही है। विडंबना देखिये कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भीड़ द्वारा की गई हिंसा में मारे गये लोगों और घायलों का विवरण अलग-अलग संकलित नहीं करता। ऐसी उदासीनता को दूर करने की जरूरत है। जाहिर बात है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी व तंत्र की उदासीनता के चलते लोकतंत्र की कीमत पर भीड़तंत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजनेताओं को अहसास होना चाहिए कि यदि वे भीड़ के निरंकुश व्यवहार व कानून को हाथ में लेने की प्रवृत्ति की अनदेखी करेंगे तो जहां लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन होगा, वहीं मानव अधिकारों का भी उल्लंघन होगा। इस मुद्दे को दल की राजनीतिक सोच व चुनावी लाभ-हानि के दायरे से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। यह नजरिया देश के हर राज्य के संदर्भ में होना चाहिए। मानवता की भी यही दरकार है कि किसी व्यक्ति को किसी कृत्य के लिये सजा देने का काम न्यायिक व्यवस्था का है, भीड़ को कानून हाथ में लेने व दंडित करने का अधिकार नहीं है।

बेहतरी के लिए सुधार

लोकसभा ने विपक्षी सदस्यों के भारी शोरशराबे के बीच सोमवार को निर्वाचन विधि (संशोधन) विधेयक, 2021 को मंजूरी प्रदान कर दी। इसमें मतदाता सूची में दोहराव और फर्जी मतदान रोकने के लिए मतदाता पहचान कार्ड और मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। विधेयक के माध्यम से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 में संशोधन किए जाने की बात कही गईहै। लेकिन विपक्ष ने मांग की है कि विधेयक को विचार के लिए संसद की स्थायी समिति के पास भेजा जाए। उसका कहना था कि विधेयक पुत्तुस्वामी बनाम भारत सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ है। देश में डाटा सुरक्षा कानून नहीं होने से डाटा के दुरुपयोग के मामले बढ़ सकते हैं। विपक्ष ने इसे निजता का हनन करने वाला जल्दबाजी में पेश किया गया विधेयक करार दिया। आशंका जताई कि यह प्रावधान करके सरकार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी 'गुप्त मतदान' की प्रक्रिया से छेड़छाड़ कर सकती है। विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजु ने विपक्ष की आशंका का जवाब देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, जबकि यह विधेयक शीर्ष अदालत के फैसले के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि कार्मिक, विधि एवं न्याय संबंधी स्थायी समिति ने ही इसके लिए सिफारिश की थी कि मतदाता सूची की शुचिता को बनाए रखना जरूरी है। इसी क्रम में मतदाता सूचियों को आधार से जोड़ने का बात कही थी। रिजिजु के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से निर्वाचन विधि (संशोधन) विधेयक, 2021 को मंजूरी दे दी। सदन में सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि आधार कार्ड को वोटर लिस्ट से जोड़ना स्वैच्छिक है। दरअसल, विधेयक को देशमें चुनाव सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना चाहिए। थी। जहां तक जल्दबाजी की बात है तो ध्यान रहे कि यह निर्णय लेने से पहले चुनाव आयोग और कानून मंत्रालय ने कई दौर की बैठक की थीं। इसलिए चुनाव आयोग की स्वायतता प्रभावित होने जैसे बात बेमानी है, बल्कि सच तो यह है कि यह विधेयक फर्जी मतदान की बुराईसे निजात दिलाने के साथ पूरे देश के मतदाताओं की एक ही सूची तैयार करने में मददगार होगा। चुनावी कानून भी जेंड़र न्यूट्रल होंगे। युवाओं को साल में चार बार नामांकन कराने का मौका मिल सकेगा। सो, इसकी सराहना की जानी चाहिए।

प्रोफेसर के नोट्स/दिलीप शाक्य

देविका थिएटर

उनके खयालों का क्रम टूट गया जब कार एक रेड-लाइट पर रुकी। तेरह-चौदह साल की एक लड़की हाथों में अंग्रेजी की छह-सात किताबें थामे खिड़की के पास आई-'अंकल सौ रु पए में ले लो।' यूं किताब पढ़ने का कोई मन नहीं था लेकिन एक टाइटल देखकर उनकी निगाह ठहर गई-'द ग्रेट रेलवे बाजार'। मशहूर यात्रा-लेखक पॉल थरू की किताब थी। प्रोफेसर को याद आया कि उन्होंने अपनी एक कक्षा में कभी इसका जिक्र किया था। झट से सौ रुपये निकाले और बिना मोल भाव किए किताब खरीद ली। लड़की मुस्कुरा कर लौट गई। रेड-लाइट ग्रीन हो गई और कार चलने लगी।

इतवार का दिन था। खाली सड़कों पर एक ठंडी उदासी थी। कार सूने फ्लाइ-ओवरों से गुजर रही था। पीछे छूटते जा रहे बाजारों, मकानों और वाहनों के श्य हमेशा की तरह अप्रासंगिक प्रतीत हो रहे थे। यू-टर्न के बाद कार एक मल्टीप्लेक्स के आगे रुक गई जिसका नाम देविका थिएटर था। मुमकिन है नाम अभिनेत्री देविका रानी के नाम पर रखा गया हो-टिकट-विंडो की ओर बढ़ते हुए प्रोफेसर ने सोचा। थिएटर में बहुत कम भीड़ थी। वही सीट मिल गई थी जो ऑनलाइन बुक की थी। थोड़ी ही देर बाद प्रोफेसर की प्रेमिका भी बगल की सीट पर आ विराजी। यूं तो उनकी आंखें सिनेमा के पर्दे पर टिकी थीं लेकिन बीच-बीच में वे बातें भी करते जा रहे थे। ध्यान फिल्म पर उतना नहीं था जितना बातों पर था। फिल्म 'नया दौर' थी जिसे कुछ साल पहले ही कलर में रिलीज किया गया था। देविका थिएटर नई शैली का मल्टीस्क्रीन सिनेमा-हॉल था। इसे पुराने ढंग के सिंगल-स्क्रीन थिएटर को तोड़कर बनाया गया था। एक ही समय में तीन अलग-अलग हॉल में तीन फिल्में लगी थीं। 'नया दौर' वाले हॉल में एक तिहाई से भी कम सीटें भरी थीं। संयोगवश जहां प्रोफेसर और उनकी प्रेमिका बैठे थे वह पूरी पंक्ति खाली थी। उन्हें बातें करने में कोई खास मुश्किल नहीं आ रही थी। बातों के दरम्यान फिल्म कब अपने अंत पर आ गई, पता ही नहीं चला। नया दौर आ गया था। तांगे और मोटर की दोस्ती स्थापित हो चुकी थी। वे थिएटर से बाहर आ गए। शाम ढल रही थी और सूर्य का मद्धिम होता उजाला मल्टीप्लेक्स के डिजिटल पोस्टरों से विदा ले रहा था।

महाबोधि धमाके: दोषियों को उम्रकैद नहीं, फांसी दो

आर.के. सिन्हा

कुछ इंसानों के राक्षसी या वहशी प्रवृति होने का ही नतीजा था बोधगया में बम विस्फोट। बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ को बुद्धत्व की प्राप्ति हुई और वे बुद्ध बने। इसी बोधगया में कुछ आतंकियों ने बम विस्फोट की घटना को अंजाम दिया। दरअसल 19 जनवरी, 2018 को बिहार के बौद्ध तीर्थ स्थल बोधगया में तिब्बती बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा के धर्मोपदेश के कुछ घंटों बाद ही बोधगया मंदिर परिसर में बम विस्फोट हुआ था। इस विस्फोट के लिए जिम्मेदार आतंकियों को अंततः पकड़ लिया गया। अब राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने तीन दोषियों को उम्रकैद और पांच अन्य को दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। इन सबका संबंध जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) नामक संगठन से था।

यदि इन सबको फांसी की सजा दी गई होती तो एक बेहतर संदेश जाता कि भारत अब आतंकवाद को सख्ती से कुचल कर रख देगा। आतंकियों को भारत किसी भी तरह की रियायत नहीं देगा। भारत को अपनी एक सख्त छवि दुनिया के सामने लानी ही होगी। ऐसी सख्त छवि जो दुनिया को यह संदेश देता है कि भारत अपने दुश्मनों को कुचल कर रख देगा।

जरा सोच लें कि महाबोधि मंदिर में धमाका करने वाले लोग कितने जहरीले होंगे? इनकी हरकत से जहां बुद्ध के अनुयायियों को खासतौर गहरा सदमा लगा, वहीं देश के पर्यटन उद्योग पर बेहद नकारात्मक असर हुआ था। जिन स्थानों पर आतंकी हमले की आशंका होती है या जहां आतंकी अपना काम कर चुके होते हैं, वहां जाने से पर्यटक तो बचते ही हैं।

> अब हमें एकबार फिर से दुनिया भर के बौद्ध धर्म मानने वाले पर्यटकों को अपने देश में लाना होगा। उन्हें भरोसा दिलाना होगा कि भारत के सभी तीर्थ स्थल पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

इस विस्फोट का वास्तविक लक्ष्य दलाई लामा को नुकसान पहुंचाना ही था। इंसान कल्पना मात्र से सिहर जाता है कि अगर दलाई लामा को कुछ हो जाता तो क्या होता? वर्तमान में दलाई लामा से बड़ी और आदरणीय शख्सियत दुनिया भर में नहीं है। सारा संसार उनका सम्मान करता है। वे शांति और सौहार्द का संदेश देते हैं। जाहिर है, इस तरह के पवित्र इंसान को हानि पहुंचाने की चाहत रखने वाला शख्स राक्षस ही तो होगा।

बोधगया में तलाशी के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से तार, घड़ी, बैटरी, डेटोनेटर, सफेद पाउडर बरामद किये थे। इस मामले को बाद में एनआईए को सौंप दिया गया था। एनआईए ने तीन फरवरी, 2018 को मामला दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इन अभियुक्तों की कोलकाता एवं बेंगलुरु में हुए बम विस्फोट में भी संलिप्तता थी। उम्रकैद की सजा पाने वालों में तीन दोषी अहमद अली, पैगंबर शेख और नूर आलम हैं।

महाबोधि मंदिर में धमाका तब हुआ था जब केंद्र और बिहार की सरकार दुनियाभर में फैले 50 करोड़ से ज्यादा बौद्ध धर्म के अनुयायियों को भारत के प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों तक लाने की कोशिशें कर रही थीं। विस्फोट के बाद बौद्ध धर्म के

अनुयायियों की महाबोधि मंदिर में आने की संख्या तेजी से घट गई। इनका भगवान बौद्ध की जन्मस्थली भारत को लेकर आकर्षण स्वाभाविक है। इसी के चलते बौद्ध धर्म के मानने वाले भारत की यात्रा करते हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया, श्रीलंका, जापान और चीन तक से पर्यटक यहां पहुंचते हैं। यूं तो ये साल भर आते ही रहते हैं, पर अक्टूबर से मार्च तक उनकी संख्या सबसे अधिक रहती है।

महाबोधि मंदिर में धमाका करने वाले अब जेल की चक्की पीसेंगे पर इस हमले से सुरक्षा एजेंसियों के कामकाज पर भी सवाल खड़ा होता है। वे अगर महाबोधि मंदिर को भी इंसानियत के दुश्मनों से सुरक्षित नहीं रख पाए तो फिर क्या बचा। यहीं 7 जुलाई 2013 को भी सीरियल धमाके हुए थे। उन सीरियल धमाकों को इंडियन मुजाहिद्दीन ने अंजाम दिया था। 2013 में हुए धमाकों के बाद लगता था कि अब महाबोधि मंदिर को सुरक्षा एजेंसियां सुरक्षित कर लेंगी। पर यह नहीं हुआ।

यह एक गंभीर मामला है। देखिए एक धर्म विशेष से जुड़े आतंकी किसी भी हालत में अन्य मजहबों से जुड़े धार्मिक स्थलों को बर्दाश्त नहीं करते हैं। इन्हें अपने से इतर दूसरे धर्मों से नफरत है। यही इन्हें बचपन से घुट्टी पिलाई गई है। इनका सर्वधर्म समभाव में कतई यकीन नहीं है। सर्वधर्म समभाव हिंदू धर्म की एक प्राचीन अवधारणा है जिसके अनुसार सभी धर्मों द्वारा अनुसरण किए जाने वाले मार्ग भले ही अलग हो सकते हैं, किंतु उनका गंतव्य एक ही है। इस अवधारणा को रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद के अतिरिक्त महात्मा गांधी ने भी अपनाया था।

हालांकि माना जाता है कि इस विचार का उद्गम तो वेदों में है। इसे आगे बढ़ाया गांधीजी ने। उन्होंने इसका उपयोग पहली बार सितंबर 1930 में हिन्दुओं और मुसलमानों में एकता जगाने के लिए किया था, ताकि वे मिलकर ब्रिटिश राज का अंत कर सकें। उन्होंने ही अपनी प्रार्थना सभाओं में सब धर्मों के विचार शामिल करने की शुरूआत की थी। यह भारतीय पंथ निरपेक्षता के प्रमुख सिद्धांतों में से एक है, जिसमें धर्म को सरकार एक-दूसरे से पूरी तरह अलग न करके सभी धर्मों को समान रूप से महत्व देने का प्रयास किया जाता है।

इस बीच, महाबोधि मंदिर में धमाकों के दोषियों को सजा के बाद भी सेक्युलरवादी और मुस्लिम बुद्धिजीवी एकदम से चुप हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भी जुबान सिल गई है। वे कुछ दिन पहले तक हिन्दुत्व की तुलना आतंकवादी संगठन आईएसआईएस व बोको हरम से कर रहे थे। अब वे जरा बता दें कि महाबोधि मंदिर में धमाका करने वाले इनमें से कौन से मुसलमान हैं। जाहिर है, वे नहीं बोलेंगे। उनका जमीर मर जो चुका है। अब हर्ष मंदर और अशोक वाजपेयी जैसे कथित बुद्धिजीवी भी दायें-बायें निकल लेंगे। वे भी नहीं बोलेंगे। आजकल हिन्दू और हिन्दुत्व पर देश में अधकचरा ज्ञान बांटने वाले राहुल गांधी भी कुछ नहीं कहेंगे। वे महाबोधि मंदिर में हमला करने वालों के खिलाफ एक शब्द भी बोलने से बचेंगे। बोलने पर उनकी धर्मनिरपेक्षता पर कुठाराघात जो हो जायेगा?

खैर, अब हमें एकबार फिर से दुनिया भर के बौद्ध धर्म मानने वाले पर्यटकों को अपने देश में लाना होगा। उन्हें भरोसा दिलाना होगा कि भारत के सभी तीर्थ स्थल पूरी तरह से सुरक्षित हैं। कुछ समय पहले मैं सारनाथ की यात्रा पर था। वहां मुझे भारतीयों के साथ-साथ जापान, श्रीलंका और थाईलैंड के पर्यटक मिले। वे बता रहे थे कि जैसे ही विदेशी उड़ानें फिर से शुरू होंगी, भारत में फिर से बड़ी संख्या में बौद्ध पर्यटक आने लगेंगे। हमें उनका स्वागत करते हुए अपने देश के भीतर पल रहे आस्तीन के सांपों को तो मारना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती

लेखन :-प्रशान्त त्रिपाठी
(अधिवक्ता) राष्ट्रीय उपसचिव
मानवाधिकार।

अद्वितीय प्रतिभा के धनी पण्डित मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसम्बर, 1861 को इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुआ था।

पंडित मदन मोहन मालवीय जी के पूर्वज मालवा प्रान्त के निवासी थे। अतएव इन्हें मालवीय कहा जाता था। मदन मोहन मालवीय को धार्मिक संस्कार विरासत में मिले थे। मदन मोहन मालवीय जी ने महज 25 वर्ष की आयु में ही 1886 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन में भाग लिया और उसे संबोधित किया। बाद में वे सन् 1909, 1918, 1932 और 1933 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। वे एक महान देशभक्त, स्वतंत्रता सेनानी, विधिवेत्ता, संस्कृत और अंग्रेजी के विद्वान, शिक्षाविद, पत्रकार और प्रखर वक्ता थे।

एक पत्रकार के रूप में उन्होंने वर्ष 1907 में एक हिंदी साप्ताहिक 'अभ्युदय' की शुरुआत की, जिसे वर्ष 1915 में दैनिक बना दिया गया। इसके अलावा उन्होंने वर्ष 1910 में हिंदी मासिक पत्रिका 'मर्यादा' भी शुरू की थी। उन्होंने वर्ष 1909 में एक अंग्रेज़ी दैनिक अखबार 'लीडर' भी शुरू किया था। मालवीय जी हिंदी साप्ताहिक 'हिंदुस्तान' और 'इंडियन यूनियन' के संपादक भी थे। वे कई वर्ष तक 'हिंदुस्तान टाइम्स' के निदेशक मंडल के अध्यक्ष भी रहे।

मालवीय जी केवल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सदस्य बनकर ही नहीं रहे बल्कि हिंदी भाषा को राजभाषा का सम्मान, समाज सुधार, पत्रकारिता, शैक्षणिक संप्रभुता और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए श्री गणेश करने वाले अग्रदूत थे। भारतेन्दु हरिश्चंद्र के सपने 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति कै मूल' को साकार करने का भागीरथ कार्य मालवीय जी ने ही किया। वर्ष 1937-38 में मालवीय जी को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दीक्षांत भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

विश्वविद्यालय के इतिहास में अभी तक दीक्षांत भाषण अंग्रेजी में ही दिए जाने की परंपरा रही। लेकिन मालवीय जी ने उस परंपरा को तोड़, हिंदी में भाषण देकर देशभक्ति का अनूठा उदाहरण पेश किया। भाषण देते समय 'सर स्पीक इन इंगलिश, वी कांट फॉलो योर हिंदी' जैसे ही श्रोताओं के बीच से यह आवाज गूंजी तो पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने जवाब दिया 'महाशय,मुझे भी अंग्रेजी बोलना आता है। शायद हिंदी की अपेक्षा मैं अंग्रेजी में अपनी बात अधिक अच्छे ढंग से कह सकता हूँ। लेकिन मैं एक पुरानी अस्वस्थ परंपरा

को तोड़ना चाहता हूँ। उनकी हिंदी के प्रति संवदेनशीलता और संघर्ष से ज्ञात होता है कि आजादी के बाद कोई दूसरा महामना नहीं हुआ, जो हिंदी को देश में बाध्यकारी भाषा बना दे। महात्मा गांधी ने पंडित मदन मोहन मालवीय को 'महामना' की उपाधि दी थी। भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. एस राधाकृष्णन ने मालवीय जी को 'कर्मयोगी' का दर्जा दिया था। मालवीय जी ने भारतीय संस्कृति की जीवंतता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए वर्ष 1916 ई. में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

महामना मालवीय जी का मानना था कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति का आधार वहाँ की शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा संस्कृति की संवाहक होती है। संस्कृति संस्कार से बनती है और सभ्यता नागरिकता से। हम भारतीय है ये हमारी नागरिकता है। हमारी सभ्यता ही भारतीय होने का परिचायक है। हम शिक्षित हैं, ये हमारा संस्कार है। शिक्षा संस्कार का आधार है। हम कह सकते है कि शिक्षा राष्ट्र की उन्नति का आधार है।

मालवीय जी ने शैक्षणिक उन्नति के साथ साथ समाज में फैली बुराइयों को भी समाप्त किया। सामाजिक बुराइयों में अहम् था गिरमिटिया मजदूरी प्रथा। मालवीय जी ने 'गिरमिटिया मज़दूरी' प्रथा को समाप्त करने में अहम् भूमिका निभाई। 'गिरमिटिया मज़दूरी' प्रथा, बंधुआ मज़दूरी प्रथा का ही एक रूप है, जिसे वर्ष 1833 ई.में दास प्रथा के उन्मूलन के बाद स्थापित किया गया था। 'गिरमिटिया मज़दूरों' को वेस्टइंडीज़, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रिटिश कालोनियों में चीनी, कपास तथा चाय बागानों और रेल निर्माण परियोजनाओं में कार्य करने के लिये भर्ती किया जाता था।

हरिद्वार के भीमगोड़ा में गंगा के प्रवाह को प्रभावित करने वाली ब्रिटिश सरकार की नीतियों से आशंकित मालवीय जी ने वर्ष 1905 ई. में गंगा महासभा की स्थापना की थी। वे एक सफल समाज सुधारक और नीति निर्माता थे, जिन्होंने 11 वर्ष (1909-1920) तक 'इम्पीरियल लेजिस्लेटिव कार्उसिल' के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने 'सत्यमेव जयते' शब्द को लोकप्रिय बनाया। हालाँकि यह वाक्यांश मूल रूप से 'मुण्डकोपनिषद' से है। अब यह शब्द भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है।

मालवीय जी के प्रयासों के कारण ही देवनागरी (हिंदी की लिपी) को ब्रिटिश-भारतीय अदालतों में पेश किया गया था। जातिगत भेदभाव और ब्राह्मणवादी पितृसत्ता पर अपने विचार व्यक्त करने के लिये उन्हें ब्राह्मण समुदाय से बाहर कर दिया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि मालवीय जी जातिगत व्यवस्था से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोचते थे। मालवीय जी ने साबित किया कि व्यक्ति को कर्म से ब्राह्मण होना चाहिए।

उन्होंने वर्ष 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। मदन मोहन मालवीय के अनुसार राष्ट्रीयता और धार्मिक सहिष्णुता में कोई विरोध नहीं है। 12 नवम्बर, 1946 ई. को महामना मालवीय जी का देहावसान हो गया था। भारत सरकार ने 25 दिसम्बर 2014 को उनके 153वें जन्मदिन पर भारत रत्न से नवाजे जाने की घोषणा की थी। अतएव पंडित मदन मोहन मालवीय को 31 मार्च 2015 को भारत रत्न (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। महामना मालवीय जी का जीवन करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणादायक है। भारत सदा उनका ऋणी रहेगा। सामाजिक समरसता के संवाहक पंडित मदन मोहन मालवीय को नमन।

बेहतर प्रशासन

संविधान की बहस को नया मोड़

कृपाशंकर चौबे

राम बहादुर राय की सद्य: प्रकाशित पुस्तक 'भारतीय संविधान: अनकही कहानी' संविधान की सम्यक समालोचना है। एक धारणा है कि संविधान में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं हो। दूसरी, संविधान का परिष्कार जरूरी है। तीसरी, संविधान का निरंतर विकास होना चाहिए। चौथी, संविधान पर जो औपनिवेशिक छाया है, उसे दूर किया जाए। और पांचवी धारणा यह कि संविधान के मूल तद्भव की रक्षा करते हुए उसमें निरंतर सुधार का क्रम जारी रहे।

संविधान पर एक बार नहीं, अनेक बार प्रश्न उठे हैं और उसकी समीक्षा की मांग लंबे समय से होती रही है। उस मांग के ठोस कारणों पर इस पुस्तक में प्रकाश डाला गया है। बताया गया है कि संविधान की समीक्षा से राजनीतिक तौर पर जो आशंकाग्रस्त होते हैं, उसकी वजह है कि उन्होंने बिना जाने और पढ़े संविधान के बारे में काल्पनिक समझ बना रखी है। 1959 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने 'भारतीय राज्य व्यवस्था की पुनर्रचना: एक सुझाव' शीर्षक पुस्तिका लिख कर संविधान समीक्षा का सुझाव दिया था। संविधान के चौथे संशोधन विधेयक पर बोलते हुए जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, आखिरकार संविधान की सार्थकता इसमें ही है कि उससे सरकार, प्रशासन और समाज में लोकोपयोगी कार्य करना सहज ही संभव होता रहे।

1967 से दल-बदल की समस्या पर विचार के लिए वाईबी चव्हाण कमेटी बनी। संविधान की रजत जयंती पर कांग्रेस अधिवेशन में जो प्रस्ताव पारित हुआ, उसमें मांग थी कि संविधान की पूरी समीक्षा हो जिससे संविधान को जीवंत बनाया जा सके। उस प्रस्ताव के अनुसरण में स्वर्ण सिंह कमेटी बनी। उसकी रिपोर्ट के आधार पर 42वां संविधान संशोधन किया गया। उसके औचित्य पर भी प्रश्न उठे। उद्देशिका में संशोधन करने पर भी सवाल उठे। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 अक्तूबर 1980 को एक बयान दिया, 'संविधान में हर कुछ आज प्रासंगिक नहीं है। संविधान पर राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। इसलिए कि जिस शासन पद्धति में भारत है क्या वह हमारे अनुकूल है? संविधान निर्माताओं ने जो शासन प्रणाली दी, उसकी कोई समीक्षा अब तक नहीं हुई है। जहां संविधान की समीक्षा आवश्यक है, वहीं विपक्ष की भूमिका के बारे में भी सोचने की जरूरत है। विपक्ष की आंदोलनकारी राजनीति के ढंग और संदर्भ पर भी विचार होना चाहिए।' अटल बिहारी वाजपेयी ने संविधान समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमएन वेंकटचेलैया की अध्यक्षता में दस सदस्यीय आयोग 23 फरवरी, 2000 को बनाया जिसने 31 मार्च, 2002 को अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सौंप दी। इस रिपोर्ट को सम्मिलित करके डॉ. सुभाष कश्यप ने 'कांस्टीट्यूशन मेकिंग सिंस 1950' नाम से एक पुस्तक लिखी जो संविधान का अधिकृत पुनर्पाठ है।

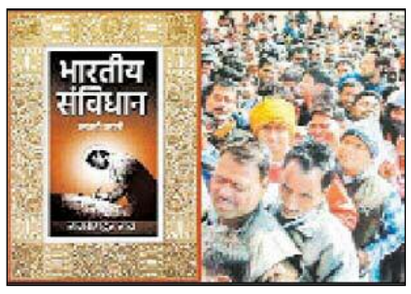

संविधान को दो पद्धतियों से देखने के प्रयास होते रहे हैं। एक पद्धति नकारने की है, तो दूसरी संविधान को जस का तस स्वीकारने की रही है। तीसरी पद्धति संविधान को स्वाधीनता संग्राम के इतिहास के आईने में देखने-परखने की हो सकती है। इस तीसरी पद्धति को अंगीकार करने का कार्य राम बहादुर राय ने इस पुस्तक में किया है। पुस्तक संविधान के बारे में कई बनी-बनाई धारणाएं तोड़ती है। एक धारणा रही है कि महात्मा गांधी संविधान निर्माण से दूर रहे जबकि पुस्तक बताती है कि संविधान की अवधारणा का जो विकास हुआ, उसके राजनीतिक नायक महात्मा गांधी हैं। गांधी जी ने ही स्वराज्य को पुनर्परिभाषित किया। फिर संविधान की कल्पना को शब्दों में उतारा। पुस्तक में महात्मा गांधी की नेतृत्वकारी भूमिका का प्रामाणिक विवरण है। गांधी जी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संविधान सभा में पुनः प्रवेश संभव कराया। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने डॉ. अंबेडकर को प्रारूप समिति में रखवाया और उसका अध्यक्ष बनवाया। डॉ. अंबेडकर ने उद्देशिका में बंधुता का समावेश कराया। राम बहादुर राय ने पुस्तक में लोक मान्य बाल गंगाधर तिलक एनी बेसेंट, देशबंधु चितरंजन दास, डॉ. मुख्तार अंसारी, डॉ. भगवान दास, मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, पुरुषोत्तम दास टंडन, केएम मुंशी आदि के संविधान संबंधी कार्यों को भी चिह्नित किया है।

पुस्तक बताती है कि संविधान निर्माण में बेनेगल नरसिंहराव नींव के पत्थर हैं, और संविधान को स्वरूप देने का नियतिपूर्ण दायित्व डॉ. अंबेडकर के पास स्वयं चलकर आया। उन्होंने संविधान निर्माण में खून पसीना एक कर सामाजिक सुधार का संवैधानिक दीपक जला दिया जो झिलमिल झिलमिल आज भी जल रहा है। संविधान के इतिहास में एक पन्ना 'राजद्रोह धाराओं की वापसी' का भी है, जिसे असंवैधानिक संविधान संशोधन कहना उचित होगा। नेहरू ने यह कराया। यह अनकही कहानी भी पुस्तक में आ गई है। सरदार पटेल ने मुस्लिम सदस्यों को सहमत कराकर पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त कराया, जिससे संविधान सांप्रदायिकता से मुक्त हो सका। 51 अध्यायों में विभाजित पांच सौ पृष्ठों की यह किताब भारतीय संविधान के ऐतिहासिक तथ्य, कथ्य और यथार्थ को इस तरह प्रस्तुत करती है कि संविधान का पुनरावलोकन भी हो जाता है, और संविधान की बहस को नया मोड़ भी मिलता है। वह मोड़ बताता है कि रास्ता किधर है!

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

अभी रुका नहीं है नोटों की गड्डियां मिलने का सिलसिला, अबतक मिले 235 करोड़

कानपुर। इत्र कारोबारी पीयूष जैन के कानपुर स्थित घर पर फ्लिहाल सीबीआइसी का छापा बंद हैए जबकि अब कन्नौज के पैतृक आवास व कारखाने पर छापा अभी जारी है। दोनों घरों से अबतक करीब 235 करोड़ रुपये मिल चुके हैंए इसमें कानपुर से राशि 150 करोड़ रुपये से बढ़कर 177 करोड़ रुपये हो गई हैए वहीं कन्नौज से 58 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा काफी मात्रा में जेवरात भी बरामद किए गए हैं। वहीं दूसरे इत्र कारोबारी संदीप मिश्रा उर्फरानू के घर व कारखाने पर पर 19 घंटे बाद छापा खत्म हो चुका हैए यहां से टीम ने कागजात कब्जे में लिये हैं। जीएसटी इंटेलिंजेंस के अधिकारी पीयूष जैन को सर्वोदय नगर के ऑफिस में लेकर पहुंचे थे और यहां से फिर उन्हें कहीं पर गोपनीय ढंग से ले गए हैं।

गुजरात में पान मसाला लदे चार ट्रक

पकड़े जाने के बाद सुराग लगने पर महानिदेशालय जीएसटी इंटेलीजेंस ;डीजीजीआइद्ध की टीम को कन्नौज के इत्र कारोबारी पीयूष जैन के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ;सीबीआइसीद्ध की टीम ने बुधवार की शाम इत्र कारोबारी के कानपुर स्थित आनंदपुरी आवास में छापा मारा था। यहां टीम को जांच में बड़ी मात्रा में पांच सौ के नोटों की गड्डियां बरामद हुईं जिनकी गिनती के लिए बैंक से पांच मशीनें मंगाई गईं। शुक्रवार रात तक चली नोटों की गिनती में 177 करोड़ रुपये मिलने की बात कही जा रही है।

यह सारी रकम 47 बक्सों में रखवाकर सील करने के बाद रात ग्यारह बजे रिजर्व बैंक में सुरक्षित रखवाई गई है। वहीं टीम ने शुक्रवार को पीयूष जैन के कन्नौज स्थित पैतृक आवास और कारखाने में भी छापे मारी शुरू की थीए जो दूसरे दिन शनिवार दोपहर तक जारी है। वहीं कन्नौज के दूसरे इत्र कारोबारी संदीप मिश्रा उर्फ रानू के घर और प्रतिष्ठान पर भी छापा मारा गया। यहां पर 19 घंटे तक छापेमारी की कार्रवाई के बाद टीम बड़ी मात्रा में कागजात जब्त करके ले गई है।

कानपुर स्थित आवास पर छापेमारी बंद करके शुक्रवार देर रात करीब दो बजे टीम पीयूष जैन को साथ लेकर निकली थी। सुबह तक सर्वोदय नगर स्थित कार्यालय में पीयूष जैन को बिठाकर जांच करने के बाद करीब छह बजे गोपनीय ढंग से कहीं ले जाने की जानकारी मिल रही है। उन्हें कहां ले जाया गया हैए अभी यह बताया नहीं जा रहा है। सर्वोदय नगर स्थित कन्नौज के ही इत्र कारोबारी संदीप मिश्रा के कानपुर स्थित आवास पर कोई अधिकारी नहीं हैए चौकीदार ने यहां किसी के न आने की बात कही। इत्र कारोबारी पीयूष जैन के कन्नौज में छिपट्टी मोहल्ला स्थित पैतृक आवास पर टीम शुक्रवार की शाम के करीब 4रू00 बजे पहुंची थी और बीते 20 घंटे से छापेमारी जारी है। मकान के अंदर से टीम को कितनी रिकवरी हुईए इसकी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है लेकिन यहां अबतक 58 करोड़ रुपये बरामद होने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि नौ ड्रम चंदनए एक झोला चाबीए दो हजार के नोटों से भरा एक गत्ता मिला है। घर के अंदर मौजूद टीम ने 10.15 अलमारी काटी हैं और 15.20 ताले तोड़े गए हैं। कारोबारी के घर पर लाकर को तोड़ने के लिए 11 बजे कटर मंगाया गया। घर के अंदर से तोड़फोड़ की आवाजें लगातार आ रहीं हैं।

उधरए कन्नौज के दूसरे कारोबारी होली मोहल्ला निवासी संदीप मिश्रा उर्फ रानू के कारखाना से टीम जरूरी कागजात लेकर जा चुकी है। इस दौरान टीम 19 घंटे तक संदीप कारखाना में रही। यहां कारोबारी और उनके मुनीम से पूछताछ की। कारोबारी के घर और कारखाना में मिले कागजों को लेकर टीम चली गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में बारिश डाल सकती व्यवधानए सांसत में अधिकारियों की जान

कानपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा के दौरान दिन में बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञानियों द्वारा बारिश की आशंका जाहिर किए जाने से अब प्रशासन भी चिंतित है क्योंकि इससे कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा की। अफसरों ने उन्हें बताया कि कार्यक्रम के दिन बारिश के आसार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे पंडाल को वाटरप्रूफ बनाया जाए। 12 बजे तक लाभार्थियोंए वीआइपी को हर हाल में बैठा दिया जाए। 12 बजे तक अगर किसी जनप्रतिनिधि की कुर्सी खाली है और उस पर कोई और बैठ जाता है तो उसे उठाया न जाए।

मंडलायुक्त डाण् राजशेखर ने सीएम को लाभार्थियों को लाने के लिए बसों के इंतजामए लाभार्थियों की संख्याए नोडल अधिकारियों की तैनाती की जानकारी दी। बारिश के दौरान मैदान में जलभराव न हो इसका प्रबंध करने के लिए कहा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्किंग की व्यवस्था पास में ही करें। पास में ही पार्किंग होगी तो लोगों को आवागमन में दिक्कत नहीं आएगी। पेयजल तथा शौचालय आदि की व्यवस्था भी उचित और पर्याप्त हो। पार्किंग स्थल पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम की भी व्यवस्था की जाए। मास्क और शारीरिक दूरी के नियम का पालन कराया जाए। इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महानाए सांसद सत्यदेव पचौरीए उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियारए महापौर प्रमिला पांडेयए जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुणए विधायक सुरेंद्र मैथानीए अभिजीत सिंह सांगाए मुख्य सचिव आरके तिवारीए अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थीए अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयलए प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसादए प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन दीपक कुमारए प्रमुख सचिव खाद्य वीना कुमारी मीनाए यूपीएमआरसी के एमडी कुमार केशवए एडीजी भानु भास्करए आइजी प्रशांत कुमारए पुलिस कमिश्नर असीम अरुणए डीएम विशाख जी अय्यर उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के स्वमसेवकों ने पृथक बुंदेलखंड राज्य के लिए रिकार्ड 25वीं बार पी.एम. मोदी को लिखा पत्र

खागा फतेहपुर। शनिवार को बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती समारोह के अवसर पर एक बार फिर से बुंदेलखंड राज्य की स्थापना की मांग को बुलंद किया गया,आज समिति के ब्लाक अध्यक्ष बच्चा तिवारी के हरदों स्थित आवास पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए, जहां पर कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम अटल जी की प्रतिमा पर व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष शिवचन्द्र शुक्ल के द्वारा माल्यार्पण करके किया गया,इसके बाद में सभी लोगों ने अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करके उनके प्रति अपनी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, इस के बाद पृथक राज्य बुंदेलखंड राज्य की स्थापना के लिए खून से खत लिखो अभियान के तहत उपस्थित सभी लोगों ने समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय की अगुवाई 25वीं बार खून से खत लिखकर प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी के पास भेजकर बुंदेलखंड राज्य बनाओ की मांग को और भी तेज किया गया,खत के माध्यम से मांग की गई कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा तीन नए राज्य क्रमशः उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ व झारखंड राज्य की स्थापना की गई थी, तो आपसे भी बुंदेलखंड राष्ट्र समिति पुनः मांग करती है कि बुंदेलखंड राज्य की स्थापना आप द्वारा अतिशीघ्र की जाए।इस मौके पर बुंदेलखंड राष्ट्र समिति बक नगर अध्यक्ष धीरज मोदनवाल, व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष अतुल साहू,मोदी मिशन के जिलाध्यक्ष अवधेश मिश्रा,भाजपा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष संतोष केशरवानी,मण्डल उपाध्यक्ष शनि सिंह सेंगर, शुशील अवस्थी,अर्मेन्द्र सिंह,आदित्य पाण्डेय,अंकुश त्रिपाठी, अजय गुप्ता,पारश ,दीपक यादव,आशीष पाण्डेय,छोटू,शक्ति सामन्त,अमित वर्मा,पोंटी तिवारी,अनुपम शुक्ल सहित साइकिल की संख्या में लोग मौजूद रहें।

सुपारी लेकर की गई थी आइआइटी के पूर्व रजिस्ट्रार की हत्याए एनआरआई सिटी के पास जमीन बनी वजह

कानपुर । नवाबगंज क्षेत्र में अधिवक्ता राजाराम वर्मा की हत्या सुपारी किलर गैंग ने की थी। सुपारी के 27 हजार रुपये एडवांस दिये गये थे और बाकी की रकम लेने आए शार्प शूटर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त हथियार व सुपारी लेने वाले और दो शूटरों को भी दबोच लिया है। पकड़े गये अभियुक्तों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

22 दिसंबर को कागज देने के बहाने बाइक सवार युवकों ने नवाबगंज गंगा नगर हाउसिंग सोसाइटी निवासी राजाराम को फोन करके घर से बाहर बुलाया था। इसके बाद बदमाशों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। बेटे नरेंद्र ने

एनआरआइ सिटी के मालिकोंए सौतेले भाई राजबहादुर और दो अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने राजबहादुर को हिरासत में लिया था। गुरुवार रात पुलिस ने अधिवक्ता के घर पर दोनों बेटियों और बेटे से पूछताछ की थी। सर्विलांस टीम ने आखिरी काल वाले नंबर व मृतक के मोबाइल नंबर की सीडीआर निकलवाई तो कई संदिग्ध नंबर मिले थे। इन नंबरों के सत्यापन व उनसे पूछताछ करने के लिए दो टीमें लगाई गईं और सौतेले भाई राजबहादुर से पूछताछ के बाद हत्या का राजफाश हो गया।

डीसीपी वेस्ट बीबीजीटीएस मूर्ती ने घटना के खुलासे के लिए स्पेशल टीम लगाई दी थी और महज 72 घंटे में हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया गया। टीम ने सर्विलांस की मदद से सुपारी लेने वाले और दो शार्प शूटरों को दबोचा है। दोनों शार्प शूटर कानपुर आउटर क्षेत्र के रहने वाले हैंए इन दोनों ने अधिवक्ता को घर में घुसकर गोली मारी थी। इन दोनों शार्प शूटरों को अंकित यादव निवासी ग्राम फत्तेपुर थाना बिठूर ने सुपारी दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद शार्प शूटर बाकी की रकम लेने शनिवार को नवाबगंज आए थे। पहले से तैयार पुलिस ने दोनों को आजाद नगर के नवनिर्मित बस अड्डे के पास दबोच लिया और फिर अंकित यादव भी हत्थे चढ़ गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि नवाबगंज में रहने वाले व प्रापर्टी डीलिंग का काम करने वाले रामखिलावन को अधिवक्ता राजाराम से एनआरआई सिटी के पास की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसको लेकर राम खिलावन ने अंकित यादव को चार लाख की सुपारी दी थी। इस पर अंकित यादव ने चौबेपुर से शार्प शूटरों को हायर किया और 27 हजार रुपये एडवांस भी दे दिये। पुलिस रामखिलावन की तलाश में दबिश दे रही है।

7 नामजद अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

शिवली कानपुर देहात। अवैध रूप से देसी शराब बेच रहे लोगों की पुलिस को सूचना देना एक युवक को महंगा पड़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस को देख आरोपी गण युवक को जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घायल युवक कोतवाली पहुंच 7 ज्ञात व 8 अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया है। मामले की जांच कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के हथिका गांव निवासी रोहित पुत्र सुनील ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की सुबह 7 बजे सोनबरसा देसी शराब ठेका के सामने से वह जा रहा था तो उसने देखा कि ठेके के पीछे अजय यादव पुत्र स्वर्गीय सुखदेव व विशाल यादव पुत्र अजय यादव निवासी गण ग्राम चौथियाई अवैध रूप से शराब बेच रहे थे। जिसकी सूचना उसने स्थानीय चौकी को दी तो मौके पर पहुंची पुलिस को देख लोग वहां से भाग निकले। जब शाम 6 बजे ठेके के बगल से वह सिगरेट लेने गया तो पहले से ही मौजूद अजय, विशाल, अंग्रेजी शराब के सेल्समैन नवरंग पुत्र अज्ञात ,दीपू, रघुराज, अरविंद, राकेश निवासी गण चौथियाई सात से आठ लोग अज्ञात उसे घेरकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली गलौज करने लगे।

विधायक विनोद ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

पुखरायां कानपुर देहात। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित अटल बिहारी बाजपेई जी के 97 वें जन्म दिवस आज भारतीय जनता पार्टी के भोगनीपुर क्षेत्र के विधायक विनोद कटियार ने अपने आवास पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया विधायक जी ने भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की एक कविता सुनाई

बाधाएं आती है आए ,गिरे प्रबल की घोर घटाएं,
पावों के नीचे अंगारे, सिर पर बरसे यदि ज्वालाऐ , निज

हाथों से हंसते-हंसते, आग लगाकर जलना होगा , कदम मिलाकर चलना होगा।

और कहा यदि अटल बिहारी वाजपेई जी के आदर्शों सिद्धांतों पर हम आगे चलते रहेंगे तो हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को उन्नत का मार्ग प्रशस्त होगा और हमारे देश का नाम विश्व में फिर से स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। विधायक विनोद कटियार ने उनकी द्वारा भारतीय जनता पार्टी और भारत के लिए जो भी सराहनीय कार्य किए हैं उन्हें जीवन में भुलाया नहीं जा सकता है आज भारतीय जनता पार्टी पर देश की जनता जो विश्वास कर रही है।

पानी की धार से कट सकेंगे टिश्यू , इतने करोड़ से जीएसवीएम में आएंगे अत्याधुनिक उपकरण

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कालेज में अत्याधुनिक उपकरण में सर्जिकल वर्क स्टेशन मंगाया जा रहा हैए जिससे लेजरए क्यूसा और नार्मल काट्री की सुविधा होगी। इस उपकरण में लगे क्यूसा की मदद से पानी की धार से टिश्यू काटे जाएंगे। यह उपकरण अभी सिर्फ लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में ही उपलब्ध है। शासन ने उपकरण के मद में 4ण्98 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रोण् संजय काला ने बताया कि शासन ने आधुनिक उपकरण के लिए धनराशि जारी कर दी है। इससे 75 लाख रुपये से सर्जिकल वर्क स्टेशन मंगाया जाएगा। इसके अलावा दो एनस्थीसिया वर्क स्टेशन आएंगेए जिसे आपरेशन थियेटर में लगाया जाएगा। आपरेशन के समय आटोमेटिक आक्सीजन एवं अन्य गैसों की

आपूर्ति होगी। साथ ही बेहोशी भी दी जाएगी। इसके अलावा एक करोड़ रुपये पैथालाजी विभाग के उपकरण आएंगेए जिससे इम्यूनो हिस्ट्रो कैमिस्ट्री के मार्कर मंगाए जा रहे हैं। साथ ही उपकरण भी आएंगे। इसके अलावा ब्लड कल्चर की जांच के लिए 30 लाख रुपये के उपकरण मंगाए जा रहे हैंए ताकि आइसीयू में भर्ती मरीजों की जांच हो सके। इसके अभाव में मरीजों का इलाज संभव नहीं है। इसके अलावा फेरके लैप्रोस्कोपी सेट भी मंगाया जा रहा है। इन उपकरणों के आने से मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

ओमिक्रोन पर कितना कारगर वैक्सीन का डोजए आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोध में सामने आई चौंकाने वाली बात

कानपुर। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन से निपटने की तैयारियों के बीच एक चिंताजनक जानकारी सामने आई है। इंग्लैंड की आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और दवा कंपनी एस्ट्राजेनिका की ओर से तैयार वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने के बाद भी स्काटलैंड व ब्राजील में दोबारा कोरोना का संक्रमण तेजी से फैला। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग के विशेषज्ञों ने इन देशों के लोगों पर शोध कियाए क्योंकि यहां वैक्सीन की दोनों डोज के बीच 12 हफ्ते का अंतराल था।

शोध में चौकाने वाला तथ्य यह रहा कि वैक्सीनेशन के तीन माह बाद ही इम्युनिटी कम होने लगीए जो दोबारा संक्रमण की वजह बनी। शोध को प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लेंसेट ने प्रकाशित किया है। इसे गंभीरता से लेते हुए इंडियन एसोसिएशन आफ मेडिकल माइक्रो बायोलाजी के विशेषज्ञों ने देश में बूस्टर डोज लगवाने का सुझाव सरकार को दिया है। इन विशेषज्ञों में जीएसवीएम मेडिकल कालेज के माइक्रो बायोलाजी विभाग के

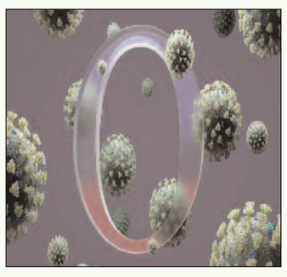

प्रोफेसर डाण् विकास मिश्रा भी शामिल रहे।

ब्राजील एवं स्काटलैंड में दोबारा कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट ने कहर बरपाया। वैक्सीनेशन के बाद भी संक्रमण फैलने पर विशेषज्ञों के कान खड़े हो गए। यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग के प्रोण् अजीज शेख एवं उनकी टीम की देखरेख में स्काटलैंड के दो मिलियन ;20 लाखद्ध और ब्राजील के 42 मिलियन ;चार करोड़ 20 लाख द्ध व्यक्तियों पर शोध किया है। इन सभी ने वैक्सीन की दोनों डोज लगवाई थीं। शोध में पता चला कि वैक्सीन लगने के तीन माह बाद वैक्सीनेशन से तैयार इम्युनिटी कम होने लगी। इस वजह से दोबारा संक्रमण हुआ। इम्युनिटी कम होने से कोरोना का खतरा पांच से 10 गुणा तक अधिक बढ़ गया। अस्पताल में भर्ती कराने की नौबत आ गई। मृत्यु का खतरा भी तीन गुणा तक बढ़ गया।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्रोण् विकास मिश्रा का कहना है कि भारत में कोरोना की दूसरी लहर डेल्टा वैरिएंट की वजह से आई थी। देश में दूसरी लहर के बाद 14 करोड़ 40 लाख डोज लगाई गई हैं। उसमें से 11 करोड़ चार लाख डोज दो हफ्ते के अंतराल में लगाई गई हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान की जागरूकता रैली निकाली गई

ग्रामीणों ने लिया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

औरैया। लोगों को नशे से दूर करने के लिए शनिवार को विकासखंड बिधूना की ग्राम पंचायत गपचरियापुर में नशा मुक्त भारत अभियान की जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें ग्रामीणों के साथ-साथ स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं और नशा करने वाले पुरुषों तथा देश के भावी भविष्य छात्र-छात्राओं ने मिलकर इस जागरूकता कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। खंड विकास अधिकारी मुनीश सिंह द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जिसने पूरे गांव में भ्रमण किया। महिला एवं बाल विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार जिला समाज कल्याण के सहयोग से जनपद में नशा मुक्त भारत जन जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

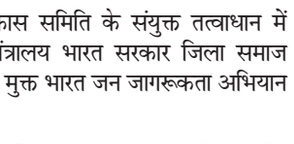

ड्रैगन बढ़ाएगा किसानों का मुनाफा, सीएसए कर रहा काम और जल्द उत्पादन की तैयारी

कानपुर। समुद्र के आसपास और उष्ण कटिबंधीय मौसम में पैदा होने वाले ड्रैगन फरूट को अब चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ;सीएसएद्ध के वैज्ञानिक विवि परिसर में उगाने की तैयारी कर रहे हैं। इसमें औषधीय गुण भी पाए जाते हैं और बाजार में मुनाफा भी अच्छा मिलता है। पैदावार बढने पर किसानों को भी फायदे समझाकर इसके उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। शुरुआत में राजस्थान और गुजरात से 500 पौधे मंगाए गए हैंए जिन्हें नर्सरी में लगाया जाएगा। पांच.छह माह में पौधे बड़े होंगे और अगले वर्ष

जुलाई से अक्टूबर के बीच फल आने की उम्मीद है।

सीएसए के टिशू कल्चर लैब के प्रभारी डाण् आरपी व्यास ने बताया कि ड्रैगन फरूट का पौधा देखने में नागफनी की तरह होता हैए लेकिन काफी लचीला होता है। इसके तने को सहारा देने के लिए किसी खंभे की जरूरत होती है। इसकी खेती के लिए 20 से लेकर 35 डिग्री सेल्सियस तक तापमान उपयुक्त माना गया है। कानपुर की जलवायु उपयुक्त है। हालांकि भीषण गर्मी में पौधे मुरझाने की आशंका है। 35 डिग्री से ज्यादा तापमान से बचाने के लिए छाया की जरूरत पड़ेगी। इसी तरह ज्यादा सर्दी पडने पर पौधे की वृद्धि रुक जाती हैए तब पौधों के बीच में किसी डंडे पर बल्ब लगा गर्मी पैदा करके फ्लावरिंग बढ़ाई जा सकती है। इसे पालीहाउस बनाकर उसमें भी उगा सकते हैंए ताकि तापमान नियंत्रित करने में आसानी हो। कुलपति डाण् डीआर सिंह ने बताया कि ड्रैगन फरूट को तैयार होने में डेढ़ से दो वर्ष का समय लगता है। सही मात्रा में खादए पानी व तापमान बनाने की जरूरत होती है। विवि में उत्पादन शुरू होने के बाद किसानों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

यहां सबसे ज्यादा होता है उत्पादन रू यह फल मुख्यतरू मलेशियाए थाइलैंडए फिलीपींस देशों में पैदा होता है। अब महाराष्ट्रए कर्नाटकए केरलए तमिलनाडुए गुजरातए राजस्थानए ओडिशाए बंगालए आंध्र प्रदेश में भी उत्पादन हो रहा है। अधिक आय देने वाला फल होने से किसानों में रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इसकी खेती के लिए ज्यादा सिंचाई की जरूरत नहीं है।

बर्फानी एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर यात्री कर सकेंगे सफर, इन ट्रेनों में भी कोच किए गए अनारक्षित

कानपुर । सेंट्रल स्टेशन से जम्मू तवी जाने वाली ट्रेन संख्या 12469ध्12470 बर्फानी एक्सप्रेस में अब यात्री बिना आरक्षित टिकट के सफर कर सकेंगे। यह सुविधा एक जनवरी 2022 से लागू होगी। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डाण् शिवम शर्मा ने बताया कि बर्फानी एक्सप्रेस के पांच कोच को अनारक्षित कर दिया गया है। अभी तक उक्त कोच में यात्री आरक्षण कराकर ही सफर कर रहे थे। इसके साथ ही छपरा.मथुरा एक्सप्रेस में भी चार आरक्षित कोच को अनारक्षित कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 22532 मथुरा छपरा एक्सप्रेस में यात्री

डी.छह से डी.नौ तक कोच में जनरल टिकट पर सफर कर सकेंगे। यात्रियों को यह सुविधा दो मार्च 2022 में मिलेगी।

चौरीचौरा एक्सप्रेस में एसी कोच बढ़ाए

अनवरगंज से गोरखपुर के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 15003ध्15004 चौरीचौरा एक्सप्रेस में दो तृतीय श्रेणी और एसी कोच बढ़ाए जाएंगे। यात्रियों के लिए यह सुविधा 25 अप्रैल 2022 से शुरू होगी। इसके साथ ही रेलवे ने एक सामान्य और एक स्लीपर कोच कम करने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि अब ट्रेन में सात के बजाय छह जनरल कोचए आठ के स्थान पर सात स्लीपर कोच होंगे। वहीं एसी थ्री के दो कोच बढने के बाद इनकी संख्या बढ़कर पांच हो जाएगी। चूंकि ट्रेन में कई यात्रियों ने पहले से ही आरक्षण करा रखा है इसे देखते हुए चार माह बाद ही नई सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया गया है ताकि यात्रियों को कोई परेशानी न हो।

BB15 :

रश्मि देसाई

ने प्रतीक सहजपाल को कहा 'चलती फिरती गलती', कंटेस्टेंट ने गुस्से में तोड़ा कप

छोटे पर्दे का बेहद पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस'(Bigg Boss) पिछले एक दशक से ज्यादा समय से लोगों का भरपूर मनोरंजन करता आ रहा है. 'बिग बॉस' के अन्य सीजन की तरह 15 वां सीजन भी दर्शकों को जमकर इंटरटेन कर रह है. 'बिग बॉस 15' (Bigg Boss 15) में इस समय 'टिकट टू फिनाले' का टास्क चल रहा है, जिसकी वजह से घर के अंदर कंटेस्टेंट्स के बीच पुराने रिश्ते टूटते दिखाई दे रहे हैं, तो साथ ही नए रिश्ते बनते नजर भी आ रहे हैं. लेटेस्टे एपिसोड में जहां करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश (Karan Kundrra & Tejasswi Prakash) के रिश्ते कमजोर होते दिखाई दिए, वहीं रश्मि देसाई और प्रतीक सहजपाल (Rashmi Desai & Pratik Sehajpal) के बीच जमकर फाइट हुई.

निशांत और प्रतीक की बहस में रश्मि की हुई एंट्री

'टिकट टू फिनाले' टास्क के दौरान निशांत भट्ट (Nishant Bhat) यह कहते हुए नजर आए कि घर के अंदर हर कंटेस्टेंट फेक है और कोई भी यहां रियल नहीं है. इस पर प्रतीक सहजपाल, निशांत से पूछते हैं कि उसने उसके लिए क्या किया है? निशांत इस बात पर गुस्से से भर जाते हैं और प्रतीक को स्वार्थी इंसान कहते हैं. इस मुद्दे पर रश्मि देसाई, निशांत भट्ट का साथ देते हुए प्रतीक से बहस करने लगती हैं. वो कहती हैं कि निशांत हर बार प्रतीक के लिए खेलता है और जब भी उसकी जरुरत होती हैं, निशांत वहां पर होता है.

रश्मि की बातों भड़के प्रतीक

रश्मि और प्रतीक एक-दूसरे पर जोर-जोर से चिल्लाने लगते हैं. इसी बीच रश्मि, प्रतिक को बार-बार 'गलती'(Mistake) कहती हुई नजर आती हैं. इस बात पर प्रतीक उनके पूछते हैं, 'किसकी गलती'? इसके जवाब में रश्मि कहती हैं, 'चलती फिरती गलती'. रश्मि के इतना कहते ही प्रतीक का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है. वह रश्मि को बहस के बीच में मां-बाप को शामिल नहीं करने की बात कहते हैं.

प्रतीक ने फेका कप

रश्मि, प्रतीक से कहती हैं कि वो सिमपैथी कार्ड न खेलें. रश्मि की बातों से प्रतीक गुस्से में अपना आपा खो देते हैं और रश्मि के कप को फेंक देते हैं. बहस को बढ़ता देख घर के दूसरे सदस्य दोनों को समझाने की कोशिश करते हैं, मगर दोनों नहीं मानते हैं. अंत में दूसरे कंटेस्टेंट उन्हें अलग करते हैं.

करण-तेजस्वी के रिश्ते में दरार

'टिकट टू फिनाले' टास्क के दौरान करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश के रिश्ते में भी दरार पड़ती हुई नजर आई. दोनों एक-दूसरे पर आरोप भी लगाए. आने वाले एपिसोड्स करण और तेजस्वी एक साथ फिर आते हैं या दोनों अलग-अलग गेम खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा. साथ ही रश्मि, प्रतीक और देवोलीना किस तरह अपने गेम को आगे ले जाते हैं, यह देखने के लिए भी फैंस बेहद एक्साइटेड हैं.

रवीना टंडन

ने की सोशल मीडिया की तारीफ, जानिए क्यों कहा, पहले तो हमको डरकर रहना पड़ता था

रवीना टंडन (Raveena Tandon) की गिनती 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस में से एक थीं. 1991 में उन्होंने फिल्म 'पत्थर के फूल' से बॉलीवुड में कदम रखा था. रवीना ने 'मोहरा', 'दिलवाले', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' और 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी हिट फिल्मों में काम किया और अपने एक्टिंग से लोगों के दिलों पर राज किया. अपनी बात को मुखर अंदाज में कहने वालीं रवीना उस बदलाव से खुश हैं, जो टैब्लॉयड पत्रकारिता (Tabloid journalism) में आया है. उन्हें याद है कि कैसे 90 के दशक में अक्सर बॉलीवुड सेलेब्स के बारे में अफवाहों के साथ नकली कहानियां छपती थीं. हालांकि उन्हें अब इस बात की खुशी है कि सोशल मीडिया (Social Media) के जरिए अब लोग अफवाहों पर सफाई दे पाते हैं.

पहले कैसे मीडिया की दया पर जीते थे स्टार्स

रवीना टंडन (Raveena Tandon) ने हाल ही मीडिया में आए बदलाव पर बात करते हुए अपने पुराने दिनों को याद किया. उन्होंने फिल्मफेयर मैग्जीन से बात करते हुए बॉलीवुड में अपने पहले के दिनों को याद किया और बताया कि कैसे फिल्म स्टार हमेशा 'संपादकों की दया पर' निर्भर रहते थे. रवीना टंडन ने एक महिला की कहानी को भी साझा किया, जिसके बारे में इतनी गंदी अफवाहें फैलाई गईं कि उनसे ऐसी खबरों की वजह से अपनी जान दे दी थी.

अफवाहों से खराब होता था मानसिक स्वास्थ्य

रवीना टंडन ने बताया कि पहले कैसे मानसिक स्वास्थ्य खराब होती था. बातचीत में उन्होंने कहा कि एक बहुत ही सकारात्मक बदलाव आया है. क्योंकि पहले आपको न सिर्फ शर्मिंदा किया जाता था, बल्कि आप पर व्यक्तिगत रूप से हमला किया जाता था. सच्चाई जाने बिना अफवाहें फैलाई जाती थीं. लेकिन आज आपको पास सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं, जहां आप सबूत के साथ सच्चाई को तुरंत सामने रख सकते हैं. लेकिन उन दिनों, आप पूरी तरह से संपादकों की दया पर थे.

Balika Vadhu 2 फेम शिवांगी जोशी ने मोहसिन खान को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा, कही ऐसी बात

शिवांगी जोशी (Shivangi Joshi) इन दिनों डेली सोप 'बालिका वधू 2' (Balika Vadhu 2) की शूटिंग में बिजी चल रही हैं. टीवी के फेमस शो में से एक रहे 'बालिका वधू' के सीजन टू में शिवांगी भले ही नए किरदार में हैं लेकिन उन्हें जाना 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' (Yeh Rishta Kya Kehlata Hain) कि नायरा के तौर पर ही अधिक जाना जाता है. शिवांगी खुद भी इस कैरेक्टर को अपने करीब मानती है. नायरा का कहना है कि ये धारावाहिक उनके दिल के बेहद करीब है और उससे अलग होना भी नहीं चाहती हैं.

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' टीम के संपर्क में हैं शिवांगी जोशी

शिवांगी जोशी ने टीवी के हिट शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में करीब 5 साल काम किया है. मीडिया से बात करते हुए शिवांगी का कहना है कि 'मैं अभी भी नायरा के कैरेक्टर से बाहर नहीं निकल पाई हूं और निकलना चाहती भी नहीं हूं क्योंकि यह मेरे दिल के बहुत करीब है और हमेशा रहेगा'. शिवांगी ने खुलासा किया कि 'इस शो के सभी कास्ट मेंबर्स के टच में अभी भी हैं. ये सारे लोग मेरी फैमिली की तरह है. इस पर पूछा गया कि क्या वह को-एक्टर मोहसिन खान के साथ भी संपर्क में हैं तो उन्होंने का हां बिल्कुल. मैं सभी के संपर्क में हूं. ये है कि टाइम कम मिलता है, इसलिए अधिक बात नहीं हो पाती'.

मोहसिन खान को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा

शिवांगी जोशी के इस खुलासे पर चौंकना लाजमी है क्योंकि मोहसिन खान और एक्ट्रेस के बीच रिश्ते को लेकर कई तरह की अफवाहें सामने आई थी. जब शिवांगी से मोहसिन के साथ रिश्ते पर सवाल पूछा गया तो पहले कहा कि रहने दीजिए, लेकिन फिर विनम्रता के साथ बोला कि 'यह अच्छा है और यह हमेशा अच्छा रहा है'.

प्रियंका चोपड़ा ने इसलिए हटाया था पति निक का सरनेम, देसी गर्ल ने खुद बयां की सच्चाई

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) ग्लोबल स्टार हैं. हॉलीवुड (Hollywood) और बॉलीवुड (Bollywood) के लाखों फैंस उन्हें सोशल मीडिया (Social Media) पर फॉलो करते हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर वह अपने पोस्ट से लोगों को ट्रीट करती हैं. हाल ही में वो तब सुर्खियों में छा गईं, जब उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अपने पति के सरनेम को हटा लिया. उनके अपने नाम से 'जोनास' सरनेम हटाने के बाद तरह-तरह की बातें शुरू हो गईं. लोगों ने निक जोनास (Nick Jonas) और प्रियंका के तलाक की बातें तक कर डाली. अब इस मामले पर 'देसी गर्ल' ने खुद चुप्पी तोड़ी है और जोनास सरनेम हटाने की वजह का खुलासा किया है.

इसलिए हटाया जोनास सरनेम

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) ने जोनास सरनेम हटाने पर मचे बवाल के बाद उन्होंने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी. ई-टाइम्स से बातचीत में प्रियंका ने इसके पीछे वजह का खुलासा किया. 'देसी गर्ल' ने बताया कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि वह इंस्टाग्राम यूजरनेम को ट्विटर के यूजरनेम से मैच करना चाहती थीं. इसलिए उन्होंने जोनास सरनेम हटाया.

लोगों के देख 'देसी गर्ल' दंग

उन्होंने कहा कि लेकिन उन्हें ये देखकर बड़ी हैरानी हुई कि सोशल मीडिया में यह इतना बड़ा मुद्दा बन गया. यह देखकर वाकई ताज्जुब होता है कि यहां सब कुछ कितना बड़ा मुद्दा बन जाता है. जरा सी बात का लोगों मे तमाशा बना दिया.जब प्रियंका को आया था गुस्साहाल ही में अमेरिका में 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस' के प्रमोशंस के दौरान एक वेबसाइट ने प्रियंका चोपड़ा को अमेरिकन सिंगर और एक्टर की पत्नी के तौर पर संबोधित किया था, जिस पर प्रियंका ने कड़ा एतराज जताते हुए तंज कसा था. 10 साल हॉलीवुड में मेहनत के बाद भी उनकी पहचान निक जोनस की पत्नी के रूप में सीमित कर दी गई है. प्रियंका ने इस रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा- बहुत ही दिलचस्प है कि मैं दुनिया की सबसे आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक का प्रमोशन कर रही हूं और मुझे फिर भी वाइफ ऑफ्ज कहकर बुलाया जाता है. प्रियंका ने आगे लिखा कि कृपया, जवाब दीजिए कि औरतों के साथ आज भी ऐसा क्यों होता है? क्या मुझे अपने बायो में आईएमडीबी लिंक जोड़कर रखना चाहिए?

वास्तुः किस्मत चमकाएंगे ये 10 पौधे

वास्तु शास्त्र के हिसाब से हर घर के लिए शुभ हैं। कुछ पेड़-पौधे लेकिन, कुछ पेड़-पौधे घर-आंगन में लगाना अशुभ फल भी देते हैं। अगर नए साल में भाग्य का साथ पाना है तो गुडलक लाने वाले इन पौधों को घर में लगाइए। आइए बताते हैं कि ये 10 पौधे कौन से हैं।

शुभ फल देता है अनार

घर की खूबसूरती और हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ कई पेड़ शुभ फल देने वाले माने गए हैं। इनमें अनार का पौधा प्रमुख है। अनार का पौधा घर में लगाने से कर्जे से मुक्ति मिलती है। घर में समृद्धि आती है। यह पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने वाला भी माना जाता है।

कृष्णकांता की बेल भरेगी तिजोरी

कृष्णकांता का बेल जिसमे नीले रंग के फूल होते हैं, इसे लक्ष्मी का स्वरुप मानते है। जिन लोगों को तरह तरह की आर्थिक परेशानियों ने घेर रखा है और उन्हें अपने श्रम के अनुरूप आर्थिक लाभ नहीं मिल रहा है, उन लोगों के लिए यह पौधा बेहद लाभकारी है। इसे लगाने से आर्थिक समस्याएं ख़त्म होती हैं।

नकात्मक ऊर्जा भगाएगी हल्दी

हल्दी का पौधा लगाने से घर में नेगेटिव एनर्जी नहीं होती है। इस पौधे का औरा वास्तु में सकारात्मक माना जाता है। ऐसी मान्यताहै कि घर में हल्दी का पौधा हो तो नकारात्मक शक्तियां खुद ब खुद किनारा कर लेती है। इसलिए इस पौधे को घर में अवश्य लगाना चाहिए।

सुख-समृद्धि का संवाहक है नारियल

नारियल का पौधा भी सुख-समृद्धि कारक माना जाता है। यही कारण है कि हिंदू परम्परा में हर पूजा, व्रत आदि में इसका उपपयोग अवश्य किया जाता है। इसे देवों में भी काफी प्रिय माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जिनके घर में नारियल के पेड़ लगे हों, उनके मान-सम्मान में खूब वृद्धि होती है।

खुशहाली के लिए घर में लगाएं तुलसी

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे का खास महत्व है। तुलसी के पौधे को एक तरह से लक्ष्मी जी का रूप माना गया है। अगर आपके घर में किसी तरह की निगेटिव एनर्जी है, तो यह पौधा उसे नष्ट करने की ताकत रखता है, लेकिन ध्यान रखें कि तुलसी का पौधा घर के दक्षिणी भाग में नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि यह आपको फायदे के बदले काफी नुकसान पहुंचा सकता है। तुलसी का पौधा घर में उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में लगाया जाना चाहिए।

आम के पास लगाएं नीम और अशोक

ज्यादातर घरों में आम के पेड़ लगे होते हैं और लोग बड़े शौक से अलग-अलग तरह के आम का पेड़ लगाते हैं, लेकिन घर के आसपास लगा आम का पेड़ अच्छा नहीं माना जाता। घर के पास आम का पेड़ होना आपके बच्चों पर बुरा असर डालता है। ऐसे में खुद से आम का पौधा न लगाएं और अगर पहले से लगा हो तो उसके पास नारियल, नीम, अशोक आदि का पेड़ लगाकर इसकी नकारात्मकता को खत्म कर सकते हैं।

बेल वाले पौधे हैं लाभकारी

बेल या लताओं वाले पौधों को प्रवेश द्वार या

एक्सटीरियर स्पेस जैसे बालकनी में लगा सकते हैं। यह अपका मन अच्छा रखते हैं। इससे न केवल घर का माहौल अच्छा होता है बल्कि इससे घर में इससे सुख-समृद्धि भी आती है। लेकिन बेल वाले पौधे लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि लताएं कंपाउंड की दीवार से ऊंचे न चले जाएं।

बरगद का पौधा करता है वातावरण शुद्ध

बरगद और पीपल के पेड़ हिंदू धर्म में पवित्र माने जाते हैं। बरगद के पेड़ को घर में नहीं बल्कि मंदिर में लगाना चाहिए। बरगद का पेड़ अपने आस-पास के वातावरण को भी शुद्ध रखता है। कुछ लोग शौक में बरगद का बोंसाई लगाते हैं लेकिन इसे घर के अंदरूनी हिस्से के स्थान पर बाहरी स्थान पर लगाना चाहिए।

अशोक बढ़ाएगा बुद्धि और पैसा

कई बार ऐसा लगता है कि आपका बच्चा अपनी ओर से पूरी मेहनत करके भी बहुत अच्छे अंक नहीं ला पाता है। शार्प बुद्धि होने के बाद भी वह कई जगह मात खा जाता है। ऐसे में घर में लगाया जाना वाला अशोक का पौधा आपके बच्चे के बुद्धि के विकास के साथ ही घर में पैसा लाने वाला भी माना जाता है।

बीमारियां भगाएगा आंवला

आंवले का हिंदू धर्मशास्त्र के साथ ही आर्युवेद में भी काफी महत्वपूर्ण पौधा माना गया है। आंवले का फल स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी अच्छा माना जाता है लेकिन आपको जानकर हैरत होगी कि आंवले का पौधा भी स्वास्थ्यकारक होता है। आंवले का पौधा घर में लगाने से घर में बीमारियां नहीं आती हैं।

पति-पत्नी का रिश्ता सुखमय बनाएगा गेंदा

गेंदा को बृहस्पति का प्रतीक माना जाता है। ऐसा मानते हैं कि घर में गेंदा का पौधा लगाने से आपका बृहस्पति मजबूत होता है और इसका सीधा असर आपके दांपत्य जीवन पर पड़ता है। इसे लगाने से पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़े कम हो जाते हैं और आपसी संबंध मधुर हो जाते हैं।

इसका भी रखें ध्यान

घर या गार्डन में पौधे हमेशा इवेन नंबर में लगाना चाहिए। कोई भी पौधा या बड़ा पेड़ आपके घर के सामने है तो उसे शुभ नहीं माना जाता है। घर में बोनसाई प्लांट्स नहीं लगाने चाहिए। ये घर के मालिक और बच्चो को नुकसान पहुंचाते हैं। जिन पौधों में मिल्क एक्सट्रेक्ट होता है वो घर में नहीं लगाने चाहिए। कैक्टस के पौधे को भी घर में लगाना वर्जित माना जाता है।

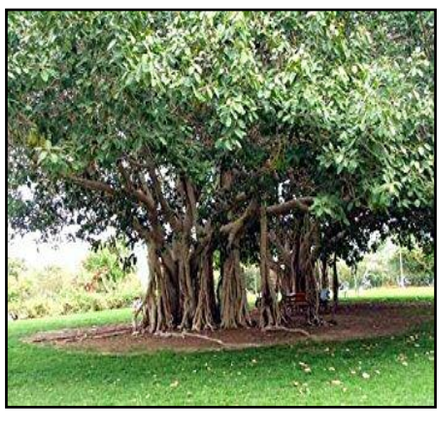

ऐसे बनाएं अपने दांपत्य जीवन को खुशहाल

शादी के बाद हर कोई चाहता है कि उसका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहे। हालांकि वे यह नहीं समझ पाते कि इस रिश्ते में हमेशा मधुरता कैसे कायम रखी जाए। रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैवाहिक जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है कि पति-पत्नी अपने रिश्ते में कभी भी अहंकार न आने दें और न ही कभी एक-दूसरे को कमतर दिखाने की कोशिश करें।

साथी हाथ बढ़ाना

यदि संभव हो तो घर के कामकाज में प्रतिदिन अपने साथी का हाथ बंटाएं। इससे काम जल्दी और आसानी से तो होता ही है। साथ ही प्यार भी गहरा होता है। यदि आप बहुत व्यस्त रहते हैं और आपके पास इतना समय नहीं होता कि खाना बनाने में पत्नी की मदद कर पाएं तो कोई बात नहीं। छुट्टी के दिन सब्जी काटने या सलाद बनाने में तो पत्नी की हेल्प कर ही सकते हैं। इसके अलावा जब भी आपको मौका मिले, पत्नी के लिए एक कप गरमागरम चाय या कॉफी बनाकर दें। इससे आपका साथी के चेहरे पर कितनी मुस्कान आती है, इतना करके तो देखिए।

संपर्क बनाए रखिए

आप चाहे घर में हों या कार्यस्थल पर या फिर शहर से बाहर, दिन में कम से कम एक बार अपने साथी बात अवश्य करें। अपने पार्टनर से बात करके यह जानने की कोशिश करें कि उसका दिन कैसा गुजरा, वह ठीक तो है। उसके मन में कहीं उदासी का भाव तो नहीं पनप रहा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि छोटी-छोटी बातें करते रहने से रिश्ते में आत्मीयता बनी रहती है। कई बार तो बड़ी से बड़ी समस्या का हल भी आपसी बातचीत से निकल आता है।

सकारात्मक नजरिया

अगर आपकी नजर हमेशा अपने साथी के गलत कामों पर रहेगी तो यकीन मानिए आपको कुछ न कुछ गलती मिलती ही रहेगी। धीरे-धीरे आपके मन में साथी के प्रति असंतोष घर करता जाएगा। इसके विपरीत जब आप अच्छी बातों पर गौर करते हैं तो आपको केवल अच्छाई ही दिखाई देगी। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप क्या देखना पसंद करते हैं, यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है। सफल पति-पत्नी हमेशा सकारात्मक नजरिया रखते हैं और वे एक-दूसरे की अच्छी बातों पर ही गौर करते हैं। इसलिए हमेशा सकारात्मक नजरिया ही रखें। इससे दांपत्य जीवन में मजबूती आएगी।

एक-दूसरे पर विश्वास

दांपत्य जीवन सुखमय हो, इसके लिए जरूरी है कि अपने पार्टनर पर विश्वास बनाए रखा जाए। विश्वास जीवन के मुश्किल हालात से भी निपटने में सक्षम बनाता है। आमतौर पर जरा सी परेशानी आने पर लोग एक-दूसरे पर दोष मढ़ने लगते हैं। उनको लगता है कि एक-दूसरे पर दोष मढ़कर अपने दायित्व से छुट्टी मिल जाएगी। यह प्रवृति ठीक नहीं है। इससे हमेशा बचने की कोशिश करनी चाहिए।

रुखी त्वचा के लिए होममेड फेस पैक

हर किसी की आस होती है कि उसकी त्वचा नेचुरली रूप से खूबसूरत दिखे और इसके लिए लोग पार्लर जाकर कई तरह के टीटमेंट भी करवाते हैं, लेकिन वास्तव में आपको वह परिणाम प्राप्त नहीं होते, जिनकी आपको चाहत होती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे कुछ होममेड फेस पैक्स बताते हैं, जिन्हें लगाकर आप सर्दी के मौसम में अपनी डाई स्किन को तो नमी प्रदान कर ही सकते हैं, साथ ही इससे आपकी स्किन पर नेचुरल ग्लो भी आता है-

पपीते का प्रयोग : सर्दी के मौसम में पपीते की मदद से एक बेहतरीन फेस पैक बनाया जा सकता है। हालांकि इसके लिए आपको पपीते के पल्प के साथ-साथ ओटमील, नींबू का रस और एग व्हाइट की भी आवश्यकता पड़ेगी। इसे बनाने के लिए आप इन सभी चीजों को आपस में मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और उसे अपने चेहरे के साथ-साथ गर्दन और हाथों पर लगाकर करीबन 20 मिनट के लिए यूं ही छोड दें। बाद में आप इसे पानी की मदद से साफ कर लें। इससे आपको एक ग्लोइंग स्किन प्राप्त होगी।

गाजर और शहद : ठंड मे मौसम में गाजर की मदद से फेस पैक बनाना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इस पैक में शहद और गाजर मिलकर एक सुपर हाइडेटिड पैक बन जाता है। इसके लिए आप दो चम्मच गाजर के रस में एक चम्मच शहद मिलाएं और अपनी स्किन पर लगाकर करीबन 15 मिनट तक मसाज करें। बाद में इसे दस मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें और फिर अपने चेहरे को धो दें।

केला और दूध : केले को लोग पावरहाउस के नाम से जानते हैं, लेकिन इसकी मदद से बनाए गए फेस पैक से आपको नमी और पोषण दोनों ही प्राप्त होते हैं। ठंड के मौसम में इससे बेहतर फेस पैक हो ही नहीं सकता। इसे बनाने के लिए आप मैश्ड बनाना में थोडा सा दूध डालकर एक थिक पेस्ट बनाएं और अपनी स्किन पर लगाएं। करीबन 20 मिनट लगाने के बाद आप अपना चेहरा धो दें। यह पैक खासतौर से रूखी त्वचा के लिए है। अगर आपकी स्किन ऑयली या कॉम्बिनेशन है तो आप दूध के स्थान पर गुलाबजल का प्रयोग करें।

ओटमील और मिल्क : इस फेस पैक को बनाने के लिए आप एक चम्मच ओटमील को एक चम्मच दूध में सोक करके रखे। बाद में इसे सर्कुलर मोशन में अपनी स्किन में लगाते हुए 15 मिनट के लिए यूं ही छोड दें। यह फेस पैक एक स्क्रब की तरह भी काम करता है।

केला और नारियल तेल : आप केले को मैश करके उसमें एक चम्मच नारियल तेल मिलाएं और अपने चेहरे पर करीबन आधा घंटा लगा रहने दें। इसके बाद आप केले और नारियल तेल के इस फेस पैक को साफ कर लें। यह फेस पैक डाई स्किन के लिए काफी अच्छा रहता है।

लद्दाख में देखने के लिए बहुत कुछ है

तीनों रंगों की धरती लद्दाख अपने आप में अनेकों रहस्यों को समेटे हुए है। आकाश से इस पर अगर एक नजर दौड़ाई जाए तो मिट्टी रंग की जमीन में सफेद चादर बर्फ की देख आनंदित हुए बिना नहीं रहा जा सकता। जबकि घाटी में सफेद बर्फ से ढंके इन पहाड़ों की परछाईयां भी भयानक और खूबसूरत काली जमीन को प्रस्तुत करती हैं। और ज्यों ज्यों आदमी धरती की ओर लौटता है तो उसे यह धरती और भी खूबसूरत नजर आने लगती है जहां फूलों की घाटियों के साथ-साथ लामाओं की कतारें देख लगता है जैसे आदमी किसी परिलोक में आ गया हो।

लद्दाख आरंभ से ही इतिहास के पृष्ठों में रहस्यों से भरी भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। कहा जाता है कि एक चीनी यात्री फा-हेयन द्वारा 399 एडी में इस प्रदेश की यात्रा करने से पहले तक यह धरती रहस्यों की धरती थी और इसे दर्रो की भूमि के रूप में भी जाना जाता है तभी इसका नाम 'ला' और 'द्वागस' के मिश्रण से लद्दाख पड़ा है जो समुद्रतल से 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित और करीब 97000 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैला होने के कारण राज्य का सबसे बड़ा प्रदेश है।

जम्मू कश्मीर का सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ साथ लद्दाख विशिष्टताओं के कारण देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। अनेक जातियों, संस्कृतियों व भाषाओं का संगम बना यह प्रदेश एक खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। जो एक ओर पाकिस्तान तो दूसरी ओर चीन से घिरा हुआ है। लद्दाख के पर्वत पर्वतारोहण करने वालों के मध्य काफी लोकप्रिय हैं।

कब जाएं : हमेशा बर्फ से ढके रहने के कारण लद्दाख के अधिकतर भाग कई कई महीने समस्त विश्व से कटे रहते हैं लेकिन फिर भी मई से लेकर नवम्बर तक का मौसम इस क्षेत्र में जाने का सबसे अच्छा समय है।

कैसे जाएं : वायुमार्ग-जम्मू, चंडीगढ़, दिल्ली, श्रीनगर से लेह के लिए इंडियन एयरलाइंस की सीधी उड़ानें हैं। लेह शहर में आपको टैक्सी, जीपें तथा जोंगा को किराए पर लेना पड़ता है। यह स्थानीय ट्रांसपोर्ट तथा बाहरी क्षेत्रों में जाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

रेल मार्ग: सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन जम्मू है जो 690 किमी दूर है। और जम्मू रेलवे स्टेशन देश के प्रत्येक भाग से रेल द्वारा जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग: लेह तक पहुंचने के लिए जम्मू-श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग है जिसमें सबसे ऊंचा दर्रा 13479 फुट की ऊंचाई पर फोतुला है। लेह से श्रीनगर 434 किमी, करगिल 230 किमी तथा जम्मू 690 किमी दूर है।

क्या देखें : लेह अपने बौद्ध मंदिरों तथा मठों के लिए प्रसिद्ध है। जो पूरे लेह में स्थान स्थान पर कुकुरमुतों की तरह दिखते हैं। असल में यह बौद्ध मंदिर पुराने धार्मिक दस्तावेजों तथा चित्रों को सुरक्षित रखने के स्थान हैं। जो आज भी अपनी ओर सबको आकर्षित करते हैं।

लेह महल : इस महल का निर्माण सिगें नामग्यान ने 16वीं शताब्दी में करवाया था। यह महल शहर के बीचों बीच खड़ा हर आने जाने वाले को अपनी ओर आकर्षित करता तो है ही साथ ही में अपनी कला और भगवान बुद्ध के जीवन को जीवंत रूप से चित्रित करती पेंटिग्स इसकी खासियत हैं।

नामग्याल तेस्मो : लेह शहर जो एक घाटी में स्थित है इसके कारण और खूबसूरत नजर आता है जो कस्बे तथा लेह महल पर अपना प्रभाव छोड़ता है। यह पवित्र राजा का प्रभाव भी दिखाता है। इस मठ में भगवान बुद्ध की एकमूर्ति, दीवार की पेंटिंग्स, पुराने दस्तावेज तथा अन्य एतिहासिक और धार्मिक वस्तुएं रखी गई हैं।

लेह मस्जिद : इसका निर्माण 17वीं सदी में देलदन नामग्याल ने किया था जो अपनी मुस्लिम मां के प्रति एक श्रद्धांजलि थी। तुर्क और इरानी कलाकृति को अपने आप में समेटने वाली यह मस्जिद आज भी मुख्य बाजार में यथावत अपने स्थान पर है।

स्टाक पैलेस म्यूजियम : लेह कस्बे से 17 किमी दूर स्टाक में स्थित इस संग्रहालय में कीमती पत्थर, थंका (लद्दाखी चित्र), पुराने सिक्के, शाही मुकुट तथा अन्य शाही वस्तुएं रखी गई हैं। यह संग्रहालय सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है।

गोम्पा तेस्मो : लेह महल के पास ही स्थित यह गोम्पा भगवान बुद्ध की डबल स्टोरी मूर्ति के लिए जाना जाता है जिसमें भगवान बुद्ध को बैठी हुई मुद्रा में दिखाया गया है। यह भी शाही मठ है।

इसके अतिरिक्त लेह के आसपास आलचरी गोम्पा, चोगमलसार, हेमिस गोम्पा, लामायारू, लीकिर गोम्पा, फियांग गोम्पा, शंकर गोम्पा, शे मठ तथा महल, स्पीतुक मठ, स्तकना बौद्ध मंदिर, थिकसे मठ तथा हेमिस नेशनल पार्क भी देखने योग्य हैं जिनको देखने के लिए ही लोग इस कस्बे में आते हैं जो लेह कस्बे से 2 किमी से 60 किमी की दूरी तक हैं।

उत्सव

हेमिस उत्सव : यह जून में मनाया जाता है। यह प्रत्येक वर्ष गुरु पद्मसंभवा, जिनके प्रति लोगों का मानना है कि उन्होंने स्थानीय लोगों को बचाने के लिए दुष्टों से युद्ध किया था, की याद में मनाया जाता है। इस उत्सव की सबसे खास बात मुखौटा नृत्य है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से कई लाख लोग आते हैं।

लोसर : यह प्रति वर्ष बौद्ध वर्ष के ग्यारहवें महीने में मनाया जाता है। यह 15वीं सदी से मनाया जाता है। इसको मनाने के पीछे यही सोच होती है कि युद्ध से पूर्व इसे इसलिए मनाया जाता था क्योंकि न जाने कोई युद्ध में जीवित बचेगा भी या नहीं।

लद्दाख उत्सव : यह प्रत्येक वर्ष अगस्त में मनाया जाता है और इसका आयोजन पर्यटन विभाग की ओर से किया जाता है। इसके दौरान विभिन्न बौद्ध मठों में होने वाले धार्मिक उत्सवों का आनंद पर्यटक उठाते हैं।

करगिल : लद्दाख क्षेत्र का सबसे बड़ा और दूसरा कस्बा करगिल है जो श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच आता है जहां पर दरास, सुरू घाटी, रंगदुम, मुलबेक, जंस्कार, करशा, बुरदान, फुगताल, जोंगखुल आदि स्थान देखने योग्य हैं जो अपनी खूबसूती के लिए प्रसिद्ध हैं।

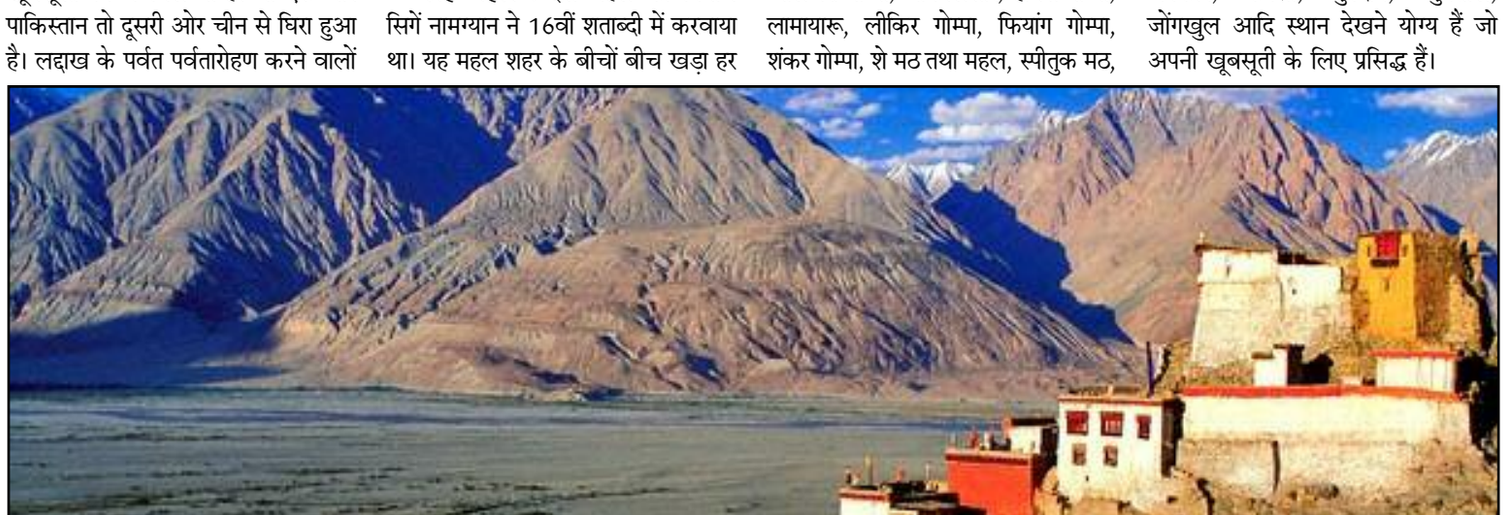

केकेआर और मीर फाउंडेशन ने मिलकर भोजन वितरित करने के लिए जोमैटो से हाथ मिलाया

एजेंसी ■ कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मीर फाउंडेशन ने अनाथ बच्चों के आश्रयों को खाना वितरित करने के लिए जोमैटो की फीडींग इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। केकेआर ने शुक्रवार को मीडिया बयान जारी कर कहा कि इस पहल के अंतर्गत दुर्गा पुजा से लेकर इस साल के अंत तक बच्चों को उपहारों के साथ खाना उपलब्ध कराया गया। बयान के अनुसार, टीमों के लिए इन बच्चों के साथ जश्न मनाना खुशी का पल था

केकेआर ने शुक्रवार को मीडिया बयान जारी कर कहा कि इस पहल के अंतर्गत दुर्गा पुजा से लेकर इस साल के अंत तक बच्चो को उपहारो के साथ खाना उपलब्ध कराया गया।

और नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, क्रिसमस और नववर्ष पर बच्चों को कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा खाना मुहैया कराया जाएगा।

अलीशा इंटरप्राइजेस का जीत से आगाज

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित तृतीय आरएनटीयू चैम्पियंस ट्राफी 2022 के शुभारंभ अवसर पर कार्पोरेट ग्रुप का पहला मैच वेदांत सुपर किंग व अलीशा इंटरप्राइजेस के मध्य खेला गया।

वेदांत सुपर किंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अविरल झा के 35 गेंद पर 51 रन की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 132 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अलीशा इंटरप्राइजेस की टीम ने 16.4 ओवर में 6 विकेट पर 136 रन बना कर मैच अपने नाम किया। बल्लेबाज अभिषेक ने तूफानी पारी खेलते हुए 37 गेंद पर

75 रन बनाए। वेदांत सुपर किंग की तरफ से गेंदबाजी करते हुए सार्थक ताम्रकार ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिये। अलीशा इंटरप्राइजेस ने चार विकेट से जीत दर्ज की। अलीशा इंटरप्राइजेस के बल्लेबाज अभिषेक सांगवान को मैन ऑफद मैच दिया गया। शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव रीत्विक चौबे, समीर चौधरी, पिच क्यूरेटर वीरेन्द्र मीणा सहित शहर के खेल प्रेमी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स अधिकारी सतीश अहिरवार ने बताया कि तृतीय आरएनटीयू चैम्पियन्स ट्राफी 2022 में चार कैटेगरी में टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। जिसमें कार्पोरेट ग्रुप, गवर्मेंट ग्रुप, इंटर कालेज ग्रुप और ओपन ग्रुप में टी20 मैच होंगे।

अश्विन के आरोपों पर पूर्व कोच रवि शास्त्री की दो टूक, कहा

मेरे बयान से अश्विन को ठेस पहुंची तो मैं बहुत खुश हूं

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री प्रसन्न हैं कि कुलदीप यादव के विदेश में भारत के प्रमुख स्पिनर बनने के उनके बयान ने रविचंद्रन अश्विन को कुछ अलग करने के लिए प्रेरित किया।

2018 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले टेस्ट मैच के दौरान अश्विन चोटिल हो गए थे। इसके बाद उनकी गैरमौजूदगी में रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने स्पिन गेंदबाजी का भार संभाला। सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच में कुलदीप ने 99 रन देकर पांच विकेट झटके और सभी को प्रभावित किया। हाल ही में क्रिकेट मंथली से चर्चा के दौरान अश्विन ने कहा था कि शास्त्री के बयान के बाद वह टूट चुके थे। शास्त्री ने अश्विन की बात का जवाब दिया। शास्त्री ने कहा, कोच के रूप में मेरा काम हर किसी को मक्खन लगाने का नहीं है। मेरा काम लोगों को सच कहने का है। अश्विन सिडनी में वह मैच नहीं खेले थे, जहां कुलदीप ने बढ़िया गेंदबाजी की और पारी में पांच विकेट निकाले। इसलिए यह उचित था कि मैं उस युवा खिलाड़ी को, जो विदेश में संभवतः अपना पहला या दूसरा टेस्ट मैच खेल रहा था, प्रोत्साहन दूं। इसलिए मैंने कहा कि यहां उसने जिस तरह से गेंदबाजी की है, पूरी संभावना है कि वह विदेश में भारत का नंबर एक स्पिन गेंदबाज बन सकता है। शास्त्री ने आगे कहा, अब अगर मेरी उस बात से किसी खिलाड़ी को बुरा लगा, तो अच्छी बात है। आज मुझे खुशी है कि मैंने उस समय वह बयान दिया था। अब अश्विन ने अपनी बात कही क्योंकि उन्हें बुरा लगा था और जिस अंदाज से उन्होंने खुद को संभाला और काम किया, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं उस प्रकार का कोच हूं जो चाहता हैं कि खिलाड़ी उस सोच के साथ मैदान में उतरे कि मैं इस कोच को सबक सिखाऊंगा और दिखाऊंगा कि मैं क्या चीज हूं। वह आगे कहते हैं, अगर उन्हें बुरा लगा तो मैं बहुत प्रसन्न हूं। उसने उन्हें कुछ और करने पर मजबूर किया।

रवि शास्त्री ने कहा, अश्विन अब दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर

मुझे खुशी हैं क्योंकि जिस अंदाज से वह 2019 में गेंदबाजी कर रहे थे और जिस प्रकार उन्होंने 2021 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गेंदबाजी की, उसमें जमीन-आसमान का अंतर था। शास्त्री के अनुसार यह अश्विन के लिए स्पष्ट संदेश था कि आपको फिट रहना होगा। हमें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो पूरी सीरीज खेल सकें। 2018 के बाद 2019 में भी वह चोटिल थे। तो अगले दो वर्षों में उन्होंने क्या किया? मुझे लगता है कि उसने अपने खेल पर बाकी सब से अधिक मेहनत की है और वह विश्व-स्तरीय है। उन्होंने आगे कहा, मैं आपको बता दूं कि वह अब दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। जिस तरह से उसने अपनी फिटनेस पर काम किया है और अभी जिस तरह से वह गेंदबाजी कर रहा है, उसके पास साउथ अफ्रीका में भारत का प्रमुख स्पिनर बनने और टीम को सीरीज जिताने का सुनहरा मौका है।

विजय हजारे ट्राफी

ऋषि धवन के हरफनमौला प्रदर्शन से हिमाचल प्रदेश फाइनल में, तमिलनाडु से होगी भिड़ंत

एजेंसी ■ जयपुर

ऋषि धवन ने हरफनमौला प्रदर्शन से अगुआई की जिससे हिमाचल प्रदेश ने शुक्रवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में सेमीफाइनल में सेना को 77 रन से हराकर विजय हजारे ट्राफी घरेलू वनडे चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना तमिलनाडु से होगा। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए हिमाचल प्रदेश के कप्तान ने 77 गेंद में 84 रन बनाकर मध्यक्रम के चरमराने के बाद अपनी टीम को वापसी कराई जिससे उन्होंने छह विकेट पर 281 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। इसके जवाब में सेना की टीम 46.1 ओवर में 204 रन पर सिमट गई जिसमें धवन ने 8.1 ओवर में 27 रन देकर चार विकेट झटके। इससे पहले धवन को आकाश वशिष्ठ का अच्छ सहयोग मिला। धवन ने अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का जड़ा जबकि वशिष्ठ ने 29 गेंद में 45 रन की तेज तर्रार पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। हिमाचल प्रदेश ने दिन के दूसरे ओवर में शुभमन अरोड़ा का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रशांत चोपड़ा (109 गेंद में 78 रन) और दिग्विजय रंगी (59 गेंद में 37 रन) आउट हुए। इससे टीम की शुरूआत धीमी रही जो 22.2 ओवर में 100 रन तक पहुंची। रन गति तेज करने के प्रयास में हिमाचल ने मध्य के ओवरों में 24 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए और उसका स्कोर चार विकेट पर 106 रन था। ऑफ स्पिनर राहुल सिंह ने रंगी को आउट किया जबकि निखल गंगटा (16) रन आउट हो गए। सेना के तेज गेंदबाज दिवेश पठानिया ने फिर अमित कुमार को शून्य पर आउट कर दिया जिससे हिमाचल की टीम मुश्किल में थी। लेकिन धवन ने टीम को संभाला और चोपड़ा के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। चोपड़ा हालांकि अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और 42वें ओवर में आउट हो गए। इसके बाद धवन और वशिष्ठ ने अंतिम ओवरों में 83 रन की मनोरंजक साझेदारी निभाई। धवन अंतिम ओवर में आउट हुए।

तेज गेंदबाजी आल राउंडर धवन ने फिर गेंदबाजी में भी कमाल कर दिया, उन्होंने सेना के पहले दो विकेट - लखन सिंह (07) और मोहित अहलावत (06) के विकेट 36 रन के अंदर 13 ओवर में झटक लिए। वशिष्ठ ने भी फिर अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 28 रन देकर दो विकेट हासिल कर लिए। सेना के कप्तान रजत पालिवाल ने 66 गेंद में 55 रन की अर्धशतकीय पारी से दौड़ बनाए रखा जिससे उन्हें 15 ओवर में 133 रन बनाने थे।

लंबी कूद एथलीट शैली सिंह, तैराक रिद्धिमा कुमार टॉप्स योजना में शामिल किए गए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अंडर -20 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता लंबी कूद खिलाड़ी शैली सिंह आठ खेलों के उन 50 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर ग्रुप में जोड़ा गया है। यह घोषणा खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को की। मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) की गुरुवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। इसमें 143 खिलाड़ियों को विकास समूह में शामिल किया गया था। दूसरी सूची में आठ खेलों में कोर ग्रुप में 50 और विकास समूह में 143 खिलाड़ियों को मिला कर एमओसी में कुल 291 खिलाड़ी हो गए है। इसमें 102 कोर ग्रुप में है। ओलंपिक 2024 की तैयारी में समर्थन के लिए अब तक 13 ओलंपिक खेलों और छह पैरालंपिक खेलों के एथलीटों की पहचान की गई है। भारतीय एथलेटिक्स की सबसे प्रतिभाशाली सितारों में से एक मानी जाने वाली 17 वर्षीय शैली ने इस साल की शुरुआत में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद स्पर्धा में रजत पदक जीता था। योजना के तहत समर्थन के लिए चुने जाने वालों में सबसे कम उम्र की तैराक रिद्धिमा वीरेंद्र कुमार हैं। इस 14 वर्षीय तैराक ने अक्टूबर में राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में कई पदक जीते और एक सप्ताह बाद राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी जगह बनाई। कोर ग्रुप के लिए पहले से चुने गए दो तैराकों के अलावा उन्हें विकास समूह में 17 तैराकों में नामित किया गया था।

पेले को अस्पताल से छुट्टी इलाज जारी रहेगा

एजेंसी ■ साओ पाउलो

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले को साओ पाउलो के अस्पताल से छुट्टी मिल गई है लेकिन कोलोन ट्यूमर का इलाज जारी रहेगा। अस्पताल ने एक बयान में कहा , एडसन अरांतेस दो नासिमेंतो को इसरेलिटा अलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल से गुरूवार को छुट्टी दे दी गई। इसने आगे कहा , मरीज की हालत स्थिर है और उनका कोलोन ट्यूमर का इलाज जारी रहेगा। पेले को दिसंबर की शुरूआत में कीमोथेरेपी के लिए भर्ती कराया गया था। इससे पहले ट्यूमर निकालने के लिए सर्जरी के कारण वह एक महीना अस्पताल में रहे थे। पेले ने शुक्रवार

को सोशल मीडिया पर अपनी जवानी की फोटो डालकर कहा , यह मुस्कुराती तस्वीर किसी कारण से है। जैसा कि मैने कहा था कि क्रिसमस अपने परिवार के साथ मनाऊंगा। मैं घर आ रहा हूं।सभी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

एशेज में मैदान पर आक्रामक प्रतिस्पर्धा देखना चाहूंगा : मैकग्रा

एजेंसी ■ मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने मौजूदा एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड के खिलाड़ियों में आक्रामकता के अभाव की निंदा करते हुए कहा कि वह अच्छे बने रहने की होड़ की बजाय करीबी प्रतिस्पर्धी मुकाबले देखना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि आईपीएल और बिग बैश लीग के कारण इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों में अत्यधिक भाईचारे से वह जुनून कम हो गया है जो देश के लिए खेलते समय चाहिए। उन्होंने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा , कई बार जरूरत से ज्यादा अच्छाई हो

जाती है। सबकी नजर में अच्छे बने रहने की होड़। ऐसे में लोग आक्रामक नहीं होना चाहते। उन्होंने कहा , मुझे याद है जब नासिर हुसैन यहां इंग्लैंड टीम के साथ आए थे तो उन्हें हमसे बात करने या गुड डे कहने की भी अनुमति नहीं थी। आस्ट्रेलियाई लोगों को बड़े शब्दों का संक्षेप करने की आदत है लेकिन मैकग्रा को निकनेम पसंद नहीं हैं। उन्होंने कहा , हर बार आस्ट्रेलिया या इंग्लैंड के क्रिकेटरों का इंटरव्यू होता है तो निकनेम सुनाई देता है। ब्रॉडी, जिमी, केज। मैने पूछा केज कौन है तो पता चला एलेक्स कारी। वे एक दूसरे को ज्यादा पहचानते हैं , हमारे समय में ऐसा नहीं था। इंग्लैंड श्रृंखला में 0 . 2 से पीछे है लेकिन उनके हाव भाव से कोई दुख नजर नहीं आता। मैकग्रा ने कहा , हाव भाव की बात है। इंग्लैंड को इसके बारे में सोचना होगा। आईपीएल और बिग बैश लीग से ए सभी एक दूसरे को ज्यादा जानने लगे हैं।

टेस्ट

मानसिक पहलू को समझने पर बात करते है द्रविड़ मैंने एक साल इस पर काम किया: अग्रवाल

एजेंसी ■ सेंचुरियन

भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि टीम से दूर रहने के दौरान उन्होंने अपने खेल के मानसिक पहलू को समझने पर काम किया जिस पर कोच राहुल द्रविड़ हमेशा जोर देते हैं और इससे उन्हें वापसी में काफी मदद मिली। कर्नाटक के 30 वर्षीय अग्रवाल कनकशन (सिर में चोट) के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हो गए थे और उसके बाद टीम में जगह गंवा दी थी। उन्होंने हाल ही में विश्व टेस्ट चैम्पियन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 150 और 62 रन बनाकर वापसी की। उन्होंने सलामी बल्लेबाज और भारत के उपकप्तान के एल राहुल से बातचीत के दौरान कहा , यह नई शुरूआत नहीं है। पिछले एक साल मैं खुद को समझने की कोशिश करता रहा और यह जानने की भी कि मेरी ताकत और कमजोरियां क्या है। बीसीसीआई टीवी पर डाले गए इस वीडियो में उन्होंने कहा , मुझे वापसी करके अच्छा प्रदर्शन कर पाने की खुशी है और आगे भी इस लय को कायम रखूंगा। खुद को समझने की प्रक्रिया में द्रविड़ के योगदान के बारे में पूछने पर अग्रवाल ने कहा , वह हमेशा खुद को समझने और मानसिक पहलू पर काम करने की बात करते हैं। उस पर काम करने से सफलता हासिल करने के मौके बढ जाते हैं। उन्होंने कहा , वह अच्छी तैयारी पर बल देते हैं।हमने यहां अच्छा अभ्यास किया है और टेस्ट मैच का इंतजार है। अग्रवाल और राहुल कर्नाटक के लिए साथ खेलने के बाद आईपीएल में पिछले चार साल से पंजाब किंग्स के लिए पारी की शुरूआत कर रहे हैं।

भोपाल के दामखेड़ा में खेल परिसर बनाने की योजना

भोपाल। मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपने विभाग को उपलब्ध जमीन पर खेल परिसर बनाने की योजना बनाने का निर्देश दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि भोपाल के कोलार क्षेत्र के दामखेड़ा का दौरा करने के बाद सिलावट ने कहा कि उनका विभाग आठ करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक खेल परिसर का निर्माण करेगा। उन्होंने बताया कि सिलावट, स्थानीय भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थल का दौरा किया। यह खेल परिसर आठ एकड़ जमीन पर प्रस्तावित है। इसमें बैडमिंटन, तैराकी, बास्केटबॉल, आउटडोर और इंडोर खेलों की सुविधा होगी।

ओलंपिक

तोक्यो में फिर दोहराई रियो की कहानी, लेकिन अन्यत्र चमके भारतीय निशानेबाज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

- रियो ओलंपिक 2016 में एक भी पदक नही जीत पाने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने कई बदलाव किए।

रियो के बाद तोक्यो में भी भारतीय निशानेबाजों की झोली खाली रही और वर्ष 2021 में अन्य टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन भी ओलंपिक में नाकामी से मिले जख्मों को नहीं भर सका। रियो ओलंपिक 2016 में एक भी पदक नहीं जीत पाने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने कई बदलाव किए। भारतीय निशानेबाजों से तोक्यो में पदक की प्रबल उम्मीद थी लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। सितारों से सजी 15 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम ने ओलंपिक के दबाव के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। प्रेसिडेंट्स कप और लीमा में साल की आखिरी जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन तोक्यो में मिले जख्मों को भरने में अभी समय लगेगा। तोक्यो में भारत का प्रदर्शन इतना खराब था कि एनआरएआई प्रमुख रनिंदर सिंह ने प्रतियोगिता पूरी होने से पहले ही निराशा जाहिर कर दी थी। उन्होंने बदलाव की बात कही और यह भी कहा कि प्रशासकों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की जाएगी। एनआरएआई ने सभी राष्ट्रीय कोचों के अनुबंध रद्द कर दिए हैं। सत्र 2022 की शुरूआत से पहले ढांचे में बदलाव की कवायद में ऐसा किया गया है। निवर्तमान कोचों की जगह नई नियुक्तियों का महासंघ ने खुलासा नहीं किया है। ओलंपिक में खराब प्रदर्शन और टीम के भीतर गुटबाजी की वजह से बदलाव किए गए और गुटबाजी में कोच भी शामिल थे। जूनियर राष्ट्रीय कोच जसपाल राणा से मनु भाकर के मतभेदों के बाद एनआरएआई ने पूर्व निशानेबाज और कोच रौनक पंडित को मनु के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी। हालात संभले जरूर लेकिन कुछ मसले बचे रह गए। रनिंदर ने पीटीआई से कहा , प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। मैने कोचिंग और सहयोगी स्टाफ में बदलाव की बात कही है। हमारे निशानेबाजों की तैयारी में कुछ कसर रह जा रही है। प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन प्रदर्शन नहीं हो पा रहा। अक्टूबर में पेरू में जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय निशानेबाजों ने कई पदक जीते और शीर्ष पर रहे। दिल्ली की 14 वर्षीय नाम्या कपूर जैसे सितारे का इस टूर्नामेंट में उदय हुआ जिसने 25 मीटर पिस्टल वर्ग में भाकर को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

भारत ने प्रेसिडेंट्स कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें भाकर और सौरभ चौधरी चमके। लीमा में भाकर एक ही जूनियर विश्व चैम्पियनपशिप में सर्वाधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई जिन्होंने चार स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।

टेस्ट श्रृंखला

भारत रविवार से शुरू होने वाले टेस्ट श्रृंखला से पहले यहां एक हफ्ते से अभ्यास कर रहा है

केएल राहुल ने पांच गेंदबाजों के साथ खेलने का संकेत दिया

रहाणे और अय्यर के बीच फैसला करना मुश्किल होगा

एजेंसी ■ सेंचुरियन

भारतीय उप कप्तान केएल राहुल ने शुक्रवार को संकेत दिया कि टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में पांच गेंदबाजों की रणनीति के साथ बरकरार रहेगी लेकिन स्वीकार किया कि पांचवें नंबर के लिए अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर के बीच फैसला करना मुश्किल होगा। भारत रविवार से शुरू होने वाले टेस्ट श्रृंखला से पहले यहां एक हफ्ते से अभ्यास कर रहा है और नव नियुक्त उप कप्तान का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका में लय तय करने के लिए अच्छी शुरूआत की जरूरत है जहां उन्होंने कभी भी टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है। यह पूछने पर कि क्या चार गेंदबाजों को खिलाना टीम के लिए कार्यभार प्रबंधन की समस्या बन जाती है (जिससे लाइन अप में एक अतिरिक्त बल्लेबाज को शामिल किया जा सकता है) तो उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया।

राहुल ने वर्चुअल मीडिया बातचीत के दौरान कहा, प्रत्एक टीम टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट झटकना चाहती है। हम भी इस रणनीति का इस्तेमाल कर चुके हैं और इससे हमने विदेश में जो भी मैच खेले हैं, प्रत्एक में मदद मिली है। इस सीनियर सलामी बल्लेबाज ने स्पष्ट किया कि चौथा तेज गेंदबाज खेलेगा, उन्होंने कहा, पांच गेंदबाजों से कार्यभार के प्रबंध में भी थोड़ी आसानी हो जाती है और जब आपके पास इस तरह का कौशल (भारतीय टीम में) तो मुझे लगता है कि हम इसका इस्तेमाल भी कर सकते हैं। शारदुल ठाकुर अपने बेहतरीन बल्लेबाजी कौशल से सीनियर गेंदबाज इशांत शर्मा से आगे हो जाते हैं, इसका मतलब हो सकता है कि अय्यर, रहाणे और हनुमा विहारी में से एक को ही मौका मिल सकता है क्योंकि राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली और ऋषभ पंत का चयन तो होगा ही। राहुल ने कहा, निश्चित रूप से इस पर फैसला करना मुश्किल है। अजिंक्य के बारे में बात करूं तो वह टेस्ट टीम का एक अहम सदस्य रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में बहुत बहुत महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। उन्होंने कहा, पिछले 15 से 18 महीनों में उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। लार्ड्स में पुजारा के साथ वो भागीदारी हमारे लिए टेस्ट मैच जीतने के लिए काफी अहम थी।

एक नजर

बीजिंग ओलंपिक में सरकारी दल नही भेजेगा जापान

तोक्यो। जापान ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक में अपने मंत्रियों का दल नहीं भेजेगा लेकिन तीन ओलंपिक अधिकारी इसमें भाग लेंगे। चीन के मानवाधिकार उल्लंघन के रिकॉर्ड को देखते हुए अमेरिका की अगुवाई में खेलों के बहिष्कार की मांग को मिली जुली प्रतिक्रिया मिली है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजू मत्सुनो ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा , हमारा सरकारी प्रतिनिधिमंडल भेजने का कोई इरादा नही है। उन्होंने कहा कि तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष सेइको हाशिमोतो, जापानी ओलंपिक समिति के अध्यक्ष यासुहिरो यामाशिता और जापानी पैरालम्पिक समिति के अध्यक्ष काजुयुकी मोरी इसमें भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि ए तीन अधिकारी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और पैरालम्पिक समिति के न्यौते पर जा रहे हैं।

पूर्व भारतीय गोलकीपर सनत सेठ का निधन

कोलकाता। पूर्व भारतीय गोलकीपर सनत सेठ का लंबी बीमारी के कारण शुक्रवार को यहां निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। वह 1954 एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार वह उम्र संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे और शुक्रवार को सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। पिछले साल उनकी पत्नी का निधन हो गया था। उनका एक बेटा है। वह मनिला एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें शुरूआती एकादश में खेलने का मौका नहीं मिला था। सेठ 1949 से 1968 तक करियर में दो महान दिवंगत फुटबॉलर पीके बनर्जी और चुन्नी गोस्वामी के साथ खेले थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने शोक संदेश में कहा, यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि सेठ अब हमारे साथ नहीं हैं। उनका भारतीय फुटबॉल के लिए अमूल्य योगदान हमेशा हमारे साथ रहेगा।